सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 188 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 22 अप्रैल 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

मुंबई में दिग्गज उद्योगपतियों से मिलेंगे सीएम साय, छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति का होगा प्रेजेंटेशन

दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में होगा छत्तीसगढ़ का प्रस्तुतीकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 23 और 24 अप्रैल को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में आयोजित वस्त्र एवं इस्पात उद्योग के दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजनों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री साय इन अवसरों पर राज्य की नई औद्योगिक नीति, निवेश की संभावनाएँ और अधोसंरचना विकास के विजन को देशभर के उद्योगपतियों एवं नीति निर्माताओं के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। ये आयोजन मुंबई के गोरेगांव स्थित बॉम्बे एग्ज़िबिशन सेंटर में होंगे।

मुख्यमंत्री साय 23 अप्रैल को CMAI Fab Show में भाग लेंगे, जिसे क्लोथिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CMAI) द्वारा आयोजित किया गया है। यह शो देश के वस्त्र उद्योग से जुड़े दिग्गजों का प्रमुख प्लेटफॉर्म है, जहाँ उत्पादन, निर्यात और ब्रांडिंग से जुड़े प्रतिष्ठित प्रतिनिधि शामिल होते हैं। मुख्यमंत्री इस मंच से छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में वस्त्र उद्योग के लिए उपलब्ध विशेष सुविधाओं, प्रोत्साहनों और निवेश के अवसरों की जानकारी साझा करेंगे। इस दौरान कुछ प्रमुख कंपनियों के साथ निवेश समझौतों (MoUs) पर हस्ताक्षर की भी संभावना है।

राज्य पवेलियन में झलकेगा नया छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री साय छत्तीसगढ़ स्टेट पवेलियन का भी भ्रमण करेंगे, जहाँ राज्य की औद्योगिक अधोसंरचना, नीतिगत प्रोत्साहन, और निवेश के बहुआयामी अवसरों की जानकारी मिलेगी। यह पवेलियन निवेशकों को छत्तीसगढ़ की ओर आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मीडिया से संवाद-बॉम्बे एग्ज़िबिशन सेंटर में

मुख्यमंत्री साय 23 और 24 अप्रैल को दोपहर 1 बजे बॉम्बे एग्ज़िबिशन सेंटर में मीडिया से संवाद करेंगे। वे इस दौरे के प्रमुख उद्देश्यों, राज्य की नई औद्योगिक नीति की विशेषताओं और निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा करेंगे।

मुख्यमंत्री साय 24 अप्रैल को इंडिया स्टील 2025 के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति के तहत इस्पात उद्योग के लिए विकसित अधोसंरचना, नवाचार, और दीर्घकालिक योजनाओं पर प्रकाश डालेंगे। इसी दिन छत्तीसगढ़ राउंड टेबल मीटिंग का आयोजन भी होगा, जिसमें मुख्यमंत्री संभावित निवेशकों के साथ सीधी बातचीत करेंगे। इस बैठक में औद्योगिक क्लस्टर्स, लॉजिस्टिक सपोर्ट, सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम, और अनुकूल श्रमिक नीति जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

खास-खबर

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू को ईडी का समन, 28 अप्रैल को किया तलब

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू को भी घेरे में ले लिया है। हैदराबाद स्थित रियल एस्टेट फर्मों में मनी लॉन्ड्रिंग जांच में अभिनेता महेश बाबू को 28 अप्रैल को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय ने बीते बुधवार को रियल एस्टेट निवेशकों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत कई स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई सुराना समूह और साई सूर्या डेवलपर्स के खिलाफ की गई। छापेमारी सिकंदराबाद, जुबली हिल्स और बोवेनपल्ली में स्थित परिसरों पर की गई।

बताया जा रहा है कि पीएमएलए के तहत जांच रियल एस्टेट परियोजनाओं को समय पर पूरा न करने के आरोप से जुड़ी हुई है। साई सूर्या डेवलपर्स के मालिक कंचरला सतीश चंद्र गुप्ता 'ग्रीन मीडोज' नाम की एक परियोजना में कथित चूक के लिए पुलिस जांच का सामना कर रहे हैं। अभिनेता महेश बाबू इस परियोजना के ब्रांड एंबेसडर थे। हालांकि, अभी तक उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं है। इस मामले में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी।

दमोह में दर्दनाक सड़क हादसा, अनियंत्रित बोलेरो नदी में गिरी, आठ लोगों की मौत

दमोह। मध्यप्रदेश के दमोह जिले के नोहटा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। यह हादसा बनवार मार्ग पर सिमरी गांव के पास हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचे और घायलों को दमोह जिला अस्पताल भेजा गया।

जानकारी के अनुसार दमोह जिले के नोहटा थाना अंतर्गत बनवार मार्ग पर सिमरी के समीप ये हादसा हुआ। महादेव घाट के पुल पर एक बोलेरो के अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी रखते ही पुलिस प्रशासन के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों में रज्जो सिंह उम्र 55 वर्ष निवासी पौड़ी, वैभव सिंह पिता देवेंद्र उम्र 12 वर्ष, आयुष बहरोघाट जबलपुर, अंकित पिता रज्जो सिंह, रविंद्र पिता डोमेन उम्र 22 वर्ष निवासी बिजोरी शामिल हैं। सभी घायलों को ग्रीन कारीडोर बनाकर जबलपुर रेफर किया गया है। सभी लोग जबलपुर जिले के अलग-अलग गांव निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे में लौग बाई, हल्की बाई, संपत बाई, गुड्डी बाई, रचना तमन्ना, शिब्बू बैजन्ती बाई की मौत हो गई।

नए अपराधिक कानूनों की समीक्षा के लिए अमित शाह ने की सीएम साय के साथ बैठक

नए कानूनों पर कहा- टॉप प्रायोरिटी एजेंडा बनाकर करें काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों के छत्तीसगढ़ में पूर्ण क्रियान्वयन के लिए टॉप प्रायरिटी एजेंडा बनाकर इस दिशा में काम करने की ज़रूरत है।

उन्होंने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों का लक्ष्य भारतीय न्यायिक प्रक्रिया को बेहतर बनाना है और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य को इसकी और ज़्यादा ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ तीन नए आपराधिक कानूनों के संपूर्ण क्रियान्वयन को एक चुनौती के रूप में लेकर इन्हे जल्द लागू कर एक आदर्श राज्य बने। अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को 60 और 90 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने के लिए पुलिस उप अधीक्षक (ष्ठस्क्क)स्तर के अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नए कानूनों में साक्ष्य की रिकॉर्डिंग से लेकर पूरे ट्रायल तक की प्रक्रिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संभव है जिससे मैनपावर की काफी बचत होगी।

गंभीर अपराधिक मामलों में नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड का करें इस्तेमाल

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हर पुलिस थाने और डीएसपी स्तर के अधिकारियों को गंभीर अपराध के मामलों में नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड के उपयोग की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सप्ताह में एक बार, राज्य के गृह मंत्री हर 15 दिन और मुख्यमंत्री महीने में एक बार राज्य में नए आपराधिक कानूनों के अमल की प्रगति की समीक्षा करें ताकि अपराधिक मामलों में कमी लाई जा सके।

नक्सल समस्या के स्थायी समाधान के लिए विशेष रणनीति पर चर्चा

बैठक में नक्सल समस्या के स्थायी समाधान के लिए भी विशेष रणनीति पर चर्चा हुई। नक्सलवाद के उन्मूलन, बस्तर के समग्र विकास और राज्य में सुरक्षा व न्याय तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर चर्चा की गई। इसके साथ ही पुलिस, जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल के महीनों में राज्य में चलाए गए ऑपरेशनों में कई वांछित नक्सली मारे गए, गिरफ्तार हुए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। नियद नेलानार योजना, बस्तर ओलंपिक, महिला सुरक्षा केंद्र, और आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे व पर्यटन ढांचे का विकास जैसे प्रयासों से युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने का सार्थक प्रभाव पड़ा है। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि राज्य सरकार वर्ष 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने के लिए कटिबद्ध है और बस्तर को भारत के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। बैठक में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव, मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक सहित गृह मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नए कानून लागू करने राज्य में 27 प्रकार की एसओपी तैयार कर किया गया लागू : सीएम साय

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में नए आपराधिक कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशासनिक व तकनीकी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। राज्य में 27 प्रकार की एसओपी और दिशा-निर्देश तैयार कर लागू किए गए हैं। इसके साथ ही लगभग 37,385 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। न्यायालयों, पुलिस थानों और जेलों को ई-साक्ष्य और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम से लैस किया गया है। राज्य में अब तक 53,981 एफआईआर नए कानूनों के तहत दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से लगभग 50न्न मामलों में चालान प्रस्तुत हो चुके हैं।

भीषण गर्मी का वन्यजीवों पर भी असर, मैत्री बाग प्रबंधन ने तपिश से राहत देने किए व्यापक इंतजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रचंड गर्मी ने न केवल आम लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, बल्कि वन्यजीव भी इससे अछूते नहीं हैं। भिलाई के प्रसिद्ध मैत्री बाग चिड़ियाघर के प्रबंधन ने दुर्लभ वन्यजीवों को इस तपिश से राहत देने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

मैत्री बाग में रोजाना एक खास नजारा देखने को मिलता है। सफेद शेरों के इनक्लोजर में पानी का छिड़काव किया जाता है, ताकि वहां ठंडक बनी रहे और शेरों का शरीर तापमान नियंत्रित रहे। गर्मी को ध्यान में रखते हुए वन्यजीवों की डाइट में भी बदलाव किया गया है। शेर और भालू जैसे जानवरों को ठंडा मांस दिया जा रहा है, जबकि बंदरों और अन्य छोटे जानवरों को तरबूज-खरबूज जैसे फल दिए जा रहे हैं। यह व्यवस्था गर्मी से होने वाली बीमारियों, जैसे डिहाइड्रेशन, से बचाव के लिए की गई है।

छोटे वन्यजीवों के केज को विशेष टाइफा घास से ढका गया है, जिसमें दिन में तेज धूप के समय पानी की बौछार की जाती है। इससे इनक्लोजर में देर शाम तक ठंडक बनी रहती है। मैत्री बाग के प्रभारी डॉ. नवीन जैन ने बताया कि जानवरों के बैरकों में पानी का छिड़काव और खुले क्षेत्र में रहने वाले जानवरों पर बौछार की जा रही है। शेरों के पिंजरों में हवा को ठंडा रखने के लिए घास की चटाइयां लगाई गई हैं, जिनमें समय-समय पर पानी डाला जाता है। वहीं, भालू के पिंजरों में छत पर पानी का झरना बनाया गया है, जो पिंजरे को ठंडा रखता है। बाहर निकलते समय भालू पानी से गुजरता है, जिससे उसे गर्मी से राहत मिलती है। इन उपायों से मैत्री बाग प्रबंधन यह सुनिश्चित कर रहा है कि भीषण गर्मी में भी वन्यजीवों को सुरक्षित और स्वस्थ रखा जाए।

रायपुर में फिल्म मेकर अनुराग कश्यप पर एफआईआर ब्राह्मण समुदाय पर आपत्तिजनक टिप्पणी से भड़के लोग

■ पुलिस प्रशासन से की डायरेक्टर पर कार्रवाई की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप के खिलाफअपराध दर्ज हुई है। ब्राह्मण समुदाय पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में सिटी कोतवाली थाने में केस दर्ज किया गया है। रायपुर में सोमवार को समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। डायरेक्टर पर आरोप है कि उनके आपत्तिजनक बयानों से ब्राह्मण समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। जिसके चलते रायपुर के ब्राह्मण समाज ने सोमवार को अनुराग कश्यप के खिलाफकानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर सिटी कोतवाली में शिकायत की थी।

राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ की शिकायत पर डायरेक्टर पर स्नद्धक्र दर्ज हुई है। संगठन के प्रमुख पंडित नीलकंठ त्रिपाठी ने अपनी शिकायत में पुलिस से कहा है कि, ब्राह्मण समाज पर जातिगत अभद्र भाषा में टिप्पणी करने की वजह से समाज की भावनाएं आहत हुई है, इस वजह से हम फिल्ममेकर अनुराग कश्यप के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं। नीलकंठ की शिकायत पर रायपुर की सिटी कोतवाली पुलिस ने फिल्ममेकर अनुराग कश्यप के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के धार 196 और 302 के तहत केस दर्ज किया है।

फिल्म की रिलीज डेट टालने पर भड़के थे कश्यप

दरअसल, समाज सुधारक ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले की जिंदगी पर एक फिल्म बनी है। इस फिल्म की रिलीज डेट टालने को लेकर अनुराग कश्यप भड़क गए थे। डायरेक्टर ने ब्राह्मणों के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। इसी के कारण देश भर में ब्राह्मण समाज के लोग कश्यप के खिलाफ पुलिस में शिकायत कर रहे हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी की थी कार्रवाई की मांग

भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अनुराग कश्यप को सख्त नसीहत दी है। उन्होंने कहा है, अगर भारत में रहना है तो भारत के साथ चलना होगा। कुछ लोग जाति, संप्रदाय के नाम पर विद्वेष फैलाना चाहते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

पतियों की हत्या का नया ट्रेंड

श्रीकंचनपथ

पति की गैरमौजूदगी में भांजे से प्यार हो गया। जिस्मानी संबंध भी बन गए। पति दुबई में ड्रायवर था। कुछ दिन पहले ही वह छुट्टी पर अपने घर देवरिया लौटा था। उसे फिर से वापस जाना था। पत्नी के नए रिश्ते की खबर हुई तो वह आग बबूला हो गया। फिर पत्नी ने भांजे के साथ मिलकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। शव को दो टुकड़ों में काटा और फिर उसे ट्रॉली बैग में भरकर घर से दूर फेंक आए। यह वही ट्रॉली बैग था जिसे लेकर उसका पति दुबई से लौटा था। उसपर एयरलाइन्स का स्टिकर लगा हुआ था। पुलिस इसके बाद अपराधी तक जा पहुंची। अब तो ऐसा लग रहा जैसे पतियों की हत्या करने का नया ट्रेंड बनता जा रहा है। लोग अभी देवरिया की खबर पढ़ ही रहे थे कि हरियाणा के हिसार से एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आ गई। संजय नगर निवासी राधेश्याम की हत्या उसकी पत्नी मोनिका और उसके प्रेमी रोहताश ने मिलकर कर दी। राधेश्याम को मोनिका के अवैध संबंधों का पता चल गया। चार दिन पहले ही मध्यप्रदेश के बुरहानपुर से एक और ऐसी ही वारदात सामने आई। 17 वर्षीय नाबालिग की शादी एक महीना पहले ही 25 वर्षीय युवक से हुआ था। उसका एक प्रेमी भी था। शादी के बाद प्रेमी और उसके दोस्तों के साथ मिलकर नाबालिग ने अपने पति को बीयर के टूटे बोतल से घोंप-घोंप कर मौत के घाट उतार दिया। यूपी के औरैया में एक नवविवाहिता ने शादी के महज 14 दिन बाद अपने पति की हत्या की साजिश रची। उसने भी अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पिछले महीने ही बेंगलुरु में 37 वर्षीय रियल एस्टेट व्यवसायी लोकनाथ सिंह की हत्या का मामला सामने आया। व्यवसायी की हत्या उसकी पत्नी और सास ने मिलकर एक्सट्रा मैरिटल अफेयर के शक में कर दी। पतियों की हत्या की खबरों का यह सिलसिला मेरठ के सौरभ हत्याकाण्ड से शुरू हुआ था। सौरभ की पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर उसकी हत्या कर दी थी और लाश को नीले ड्रम में डालकर उसमें सीमेंट का घोल भर दिया था। इसके बाद नीले ड्रम को लेकर कई मीम्स बने जिसमें पत्नियां अपने पतियों को नीला ड्रम दिखाकर डराती हुई नजर आईं। ऐसा एक मामला वास्तविक भी निकला। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में वरिष्ठ सहायक लोको पायलट सुमित कुमार ने पत्नी और साले के खिलाफआरोप लगाया कि उसे नीला ड्रम दिखाकर डराया जा रहा है। पुलिस से उसने जान माल की हिफाजत की मांग भी की। मेरठ के ही बहसूमा के गांव अकबरपुर सादात में अमित उर्फ मिक्की की पत्नी रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर हत्या कर दी। पुलिस को गुमराह करने के लिए शव के पास सांप भी छोड़ दिया था। कहीं ऐसा तो नहीं कि अपराध के समाचार ही अपराध के लिए प्रेरित करने लगे हैं?

संपादकीय

खौफ का परिणाम है वार्ता की पेशकश

बस्तर में नक्सली खौफमें है, यह बात राज्य के लोगों को अच्छी लगती है। पहली बार ऐसा हो रहा है, ऐसी खबर आ रही है कि बस्तर में नक्सली कभी भी, कहीं भी, मारे जाने से डरे हुए हैं।वह अपने लिए सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे हैं लेकिन कहीं उनको सुरक्षित ठिकाना नहीं मिल रहा है। वह निरंतर जवानों की पहुंच में है,उनके निशाने पर हैं। यह राज्य के लोगों के साथ ही बस्तर के लोगों के लिए एकदम अलग तस्वीर है, नक्सली तो सबको डराने वाले थे, सबको मारने वाले थे, बस्तर में वही होता था जो वह चाहते थे। उनका आतंक इतना था कि उनके इलाकों में पुलिस व सुरक्षा बल के जवान जाते नहीं थे, उनके इलाके में पुलिस व जवानों के जाने का मतलब होता था मारा जाना। गांवों व सड़कों पर तख्ती लगी रहती थी, यहां से नक्सलियों का इलाका शुरू होता है। यह एक तरह से चेतावनी होती थी कि आप ऐसे इलाके में हैं जहां वही होता है जो नक्सली चाहते हैं।

> ***ज्यादा दिन नहीं हुए हैं पांच साल पहले तक नक्सली डराने वाले हुआ करते थे, उनको मरने का कोई डर नहीं होता था, वह निश्चिंत रहते थे कि उनको कोई मार नहीं सकता। उनको कोई किसी तरह से कमजोर नहीं कर सकता। साय सरकार के आए एक साल हुआ है और इस एक साल में बस्तर की पूरी तस्वीर बदल गई है। आज जवान आए दिन आपरेशन चला रहे हैं, नक्सलियों का ढेर कर रहे हैं। जितने नक्सली मारे जा रहे हैं, उससे ज्यादा मारे जाने के डर से सरेंडर कर रहे हैं। नक्सली संगठन के नेता नक्सलियों के मन से मारे जाने का डर खत्म नहीं कर पा रहे हैं। वह उनको आश्वस्त नहीं कर पा रहे हैं कि तुमको कोई मार नहीं सकता। यही वजह है कि वह अपने संगठन के लोगों को मारे जाने के बचाने के लिए एक के बाद एक शांति वार्ता का प्रस्ताव भेज रहे हैं।***

सरकार ने तो साफ कर दिया है कि उसके दरवाजे शांति वार्ता के लिए खुले हुए हैं। हां इसके लिए वह कोई शर्त नहीं मानेगी। हाल ही में नक्सलियों के संगठन की तरफ से फिर एक शांति वार्ता का प्रस्ताव भेजा गया है। भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी (माओवादी)के उत्तर पश्चिम सब जोनल ब्यूरो रूपेश के नाम से जारी पर्चे में कहा गया है कि दोनों पक्षों को स्थायी समाधान की ओर बढ़ते हुए कम से कम एक माह के लिए युध्द विराम करना चाहिए। शांति वार्ता का पूरा प्रयास आपरेशन कगार के नाम पर हो रहे हत्याकांड को तत्काल रोकने के लिए है। हम शांति वार्ता की जो पेशकश कर रहे हैं,उसके पीछे कोई छिपी रणनीति नहीं है। इस समस्या का हल शांति वार्ता से होना चाहिए और लगातार हो रही हत्याओं पर रोक लगनी चाहिए। इस मामले में अमित शाह व सीएम साय का रुख एकदम साफ है कि सरकार को बात करने से कोई एतराज नहीं है लेकिन इसके लिए कोई शर्त नहीं मानी चाहिए। नक्सली जिसको बात करने के लिए भेजना चाहते हैं, भेजें उनके साथ बात की जाएगी। नक्सलियों के सफाए का काम नहीं रुकेगा, यह तो नक्सलियों के सफाए तक चलेगा। जब तक सभी नक्सली सरेंडर नहीं कर देते या मार नहीं दिए जाते।

अमित शाह ने तो हमेशा कहा है कि नक्सली सरेंडर करें। यही एक रास्ता उनके लिए बचा है। जो सरेंडर करेगा उसके लिए सरकार हर तरह की व्यवस्था करेगी। सरकार की सरेंडर नीति सामने आने के बाद बस्तर में नक्सलियों का सरेंडर बढ़ा है। इससे बस्तर में नक्सलियों की संख्या कम होती जा रही है। नक्सली एक संगठन के तौर पर कमजोर होते जा रहे हैं। उनके सामने अब संगठन को चलाने नहीं उसके अस्तित्व को बचाने की समस्या पैदा हो गई है। नक्सली इस बात से सबसे ज्यादा परेशान हैं सुरक्षा बलों का खौफबस्तर में इतना ज्यादा है नक्सली कुछ कर नहीं पा रहे हैं। वह कुछ करने लायक भी नहीं बचे हैं।यही वजह है कि वह सरकार को बार बार शांति वार्ता के लिए प्रस्ताव भेज रहे हैं। ताकि नक्सलियों के बस्तर में मारे जाने का सिलसिला बंद हो। साय सरकार जानती है कि अब सुरक्षा बल के जवान नक्सलियों पर भारी पड़ रहे हैं। यही मौका है नक्सलियों को सही रास्ते पर लाने का। यही मौका है नक्सलियों को सरेंडर करने के लिए प्रेरित करने का।

साय सरकार की बड़ी सफलता यह भी है कि नक्सलियों की उप राजधानी कहे जाने वाले बड़े सेट्टी गांव अब नक्सलवाद से मुक्त हो गया है। इस गांव को नक्सलमुक्त करने के लिए 20 से ज्यादा एनकाउंटर किए गए। 50 से ज्यादा लोगों को सरेंडर करवाया गया है। गांव को लोगों को इस बात का एहसास कराया गया कि नक्सलियों के रहते गांव का विकास नहीं हो सकता। इसके बाद पिछले सप्ताह गांव में बचे हुए 11 नक्सलियों ने भी सरेंडर कर दिया और गांव नक्सलियों से मुक्त हो गया है। माना जा रहा है कि जब नक्सलियों की उपराजधानी नक्सलमुक्त हो सकता है तो सारे गांव नक्सलमुक्त हो सकते हैं। गांव वालों को यह बात समझाने से समझ में आ रही है कि यदि गांव में नक्सली रहेंगे तो गांव का विकास नहीं हो सकता।

गांव नक्सलमुक्त होने पर गांव का विकास होगा। इसके लिए सरकार एक करोड़ हर गांव को देगी जो नक्सलमुक्त होगा। पहले गांव का विकास इसलिए नहीं हो पाता था क्योंकि नक्सली चाहते नहीं थे कि गांव का विकास हो। गांव वाले नक्सलियों से डरते भी थे इसलिए उनकी बात मानना उनकी मजबूरी थी आज नक्सलियों का खौफ कम हो रहा है तो गांव वाले भी चाहते हैं कि गांव में नक्सली हैं तो वह सरेंडर कर दे ताकि गांव का चौतरफा विकास हो सके।

सु-विचार

भगवदगीता में लिखा है कि जिस समय कोई समस्या जन्म लेती है, उसके साथ ही उसका समाधान भी जन्म लेता है

भाषा में सादगी,फैसलों में कानूनी तर्क है 'जिनकी' पहचान

52 वें सीजेआई गवई लेंगे 14 को शपथ

अजय कुमार

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना का नाम आजकल एक हर की जुबान पर चढ़ा हुआ है। वह मोदी सरकार द्वारा वक्फ कानून में किये गये बदलाव पर सुनवाई कर रहे हैं। शुरूआती दो दिन की सुनवाई के दौरान जस्टिस खन्ना ने जिस तरह से विधायिका में बनाये गये कानून के खिलाफ सख्त टिप्पणी की उसके बाद उनके ऊपर कई नेता और न्यायविद्ध हमलावर हैं।

आम जनता भी सवाल खड़े कर रही है,कहा यह भी जा रहा है कि जस्टिस खन्ना मामले की सुनवाई में काफी तेजी दिखा रहे हैं, इसकी वजह में जाकर देखा जाये तो पता चलता है कि खन्ना 13 मई को रिटायर्ड हो रहे हैं। शायद वह अपने रिटायर्डमेंट से पूर्व इस केस को किसी अंजाम तक पहुंचा देना चाहते हों। यदि ऐसा नहीं हुआ तो उनके सेवानिवृत होने के बाद अगले चीफ जस्टिस यह मुकदमा सुनेंगे। अलगे मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायविद भूषण रामकृष्ण गवई को 14 मई को 52 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करना है। करीब सवा छह महीने यानी 23 नवंबर 2025 तक मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस गवई अपनी जिम्मेदारी निभायेंगे।

जस्टिस गवई अनुसूचित जाति से आते हैं। इससे पूर्व जस्टिस केजी बालकृष्ण 2007 से 2010 तक मुख्य न्यायाधीश रहे थे। बालकृष्ण भी दलित समाज से ताल्लुक रखते थे। अभी तक दलित समाज से सिर्फदो ही मुख्य न्यायाधीश बने हैं। बहरहाल, अपने न्यायिक कार्यों का संपादन करने के दौरान जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में उभर कर सामने आए हैं, जिनकी यात्रा साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर सर्वोच्च न्यायालय के शीर्ष पद तक पहुँचने वाली है। उनकी कहानी न केवल प्रेरणादायक है बल्कि भारतीय लोकतंत्र में सामाजिक न्याय और समावेशिता की दिशा में एक सकारात्मक संकेत भी है। जब वे 14 मई 2025 को भारत के 52 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे, तब वे दलित समुदाय से आने वाले केवल दूसरे व्यक्ति होंगे जो इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचेंगे।

भूषण गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले में हुआ था। उनके पिता रावसाहेब गवई एक प्रमुख राजनीतिज्ञ थे और बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा से प्रभावित थे। ऐसे वातावरण में पले-बढ़े भूषण गवई ने नागपुर विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की और 1985 में बॉम्बे हाईकोर्ट में वकालत शुरू की। प्रारंभिक वर्षों में उन्होंने प्रमुख अधिवक्ता और न्यायाधीश राम रेड्डी के अधीन अभ्यास किया, जिससे उन्हें न्याय की गहराई और संवैधानिक मूल्य समझने का अवसर मिला।

गवई को वकालत में सफलता के बाद, 14 नवंबर 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। अगले 16 वर्षों तक उन्होंने इस पद पर रहते हुए असंख्य महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की। उनकी न्यायिक दृष्टि में न केवल कानूनी बारीकियों की गहरी समझ थी, बल्कि सामाजिक संदर्भों का भी विशेष स्थान था। वे हमेशा इस बात के पक्षधर रहे कि न्याय केवल कानून की किताबों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

2019 में उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति न केवल उनके लिए व्यक्तिगत सम्मान थी, बल्कि एक संकेत भी था कि भारतीय न्यायपालिका में विविधता और प्रतिनिधित्व का महत्व बढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में रहते हुए उन्होंने कई ऐतिहासिक और संवेदनशील मामलों की सुनवाई में भाग लिया। इनमें 2016 की नोटबंदी की संवैधानिक वैधता, अनुच्छेद 370 की समाप्ति, और चुनावी बांड योजना शामिल हैं। नोटबंदी के मामले में वे बहुमत की उस राय का हिस्सा रहे, जिसने सरकार के फैसले को सही ठहराया। उन्होंने यह तर्क दिया कि इस निर्णय की प्रक्रिया में भारतीय रिजर्व बैंक को विश्वास में लिया गया था और इसीलिए इसे असंवैधानिक नहीं माना जा सकता। हाल ही में जब चुनावी बांड योजना पर फैसला देने वाली पीठ का गठन हुआ, तो जस्टिस गवई ने खुद को उस पीठ से अलग कर लिया। यह फैसला दर्शाता है कि वे न्यायिक नैतिकता और निष्पक्षता को कितनी गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उन्हें उस मामले में बैठना उचित नहीं लगेगा, जिससे हितों के टकराव की आशंका हो। यह उदाहरण उनके चरित्र की पारदर्शिता और सिद्धांतवादी सोच को दर्शाता है।

सुप्रीम कोर्ट में उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने सामाजिक न्याय से जुड़े मामलों में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने विशेष रूप से उन मामलों में मजबूत टिप्पणी की, जहां नागरिकों के मूल अधिकारों का उल्लंघन हुआ हो या समाज के हाशिए पर रह रहे वर्गों को न्याय नहीं मिल पा रहा हो। उनकी भाषा में सादगी होती है, लेकिन उनके फैसलों में कानूनी तर्क और मानवीय दृष्टिकोण का गहरा संतुलन देखा जा सकता है।

नवंबर 2024 में गवई को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस भूमिका में उन्होंने गरीबों, वंचितों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और दिव्यांग नागरिकों के लिए मुफ्त कानूनी सहायता को प्रभावी बनाने के लिए ठोस प्रयास किए। उनका मानना रहा है कि न्याय तब तक सार्थक नहीं हो सकता जब तक वह हर व्यक्ति तक समान रूप से न पहुंचे। उन्होंने लोक अदालतों, ई-कोर्ट्स और विधिक साक्षरता कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की नीति अपनाई।

जस्टिस कार्यशैली में एक विशेष गुण यह है कि वे कोर्टरूम की गरिमा बनाए रखते हुए सभी वकीलों को धैर्यपूर्वक सुनते हैं। वे तकनीकी पक्षों की गहन पड़ताल करते हैं, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करते हैं कि न्याय में देरी न हो। उनकी भाषा संयमित होती है, लेकिन जब बात संवैधानिक नैतिकता की आती है, तो वे कठोर भी हो सकते हैं। यह संतुलन ही उन्हें एक प्रभावी न्यायाधीश बनाता है।

जब वे 14 मई 2025 में भारत के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे, तब उनके सामने कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ होंगी। न्यायिक प्रणाली में लंबित मामलों की संख्या कम करना, ई-गवर्नेंस को न्यायपालिका में और सुदृढ़ बनाना, तथा न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हो सकता है। उनके नेतृत्व में न्यायपालिका में तकनीक के अधिक प्रयोग और कानूनी प्रक्रियाओं के सरलीकरण की दिशा में ठोस पहल की उम्मीद की जा रही है।

उनका कार्यकाल भले ही 6 महीने का होगा, लेकिन उनकी न्यायिक सोच और दृष्टिकोण इस छोटे से समय में भी प्रभाव छोड़ने में सक्षम हैं। वे जिस सामाजिक पृष्ठभूमि से आते हैं, वह उन्हें न्यायपालिका के उस पक्ष से जोड़ता है जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है दृ यानी समाज के सबसे कमजोर तबके।

कुल मिलाकर जस्टिस भूषण गवई की कहानी न केवल एक व्यक्ति की न्यायपालिका के शीर्ष तक पहुंचने की यात्रा है, बल्कि यह भारतीय न्याय व्यवस्था के भीतर बदलाव की एक संकेत भी है। वह बदलाव जो समावेशिता, पारदर्शिता और सामाजिक न्याय की नींव पर आधारित है। आने वाले समय में भारत की न्यायपालिका को उनके अनुभव, संवेदनशीलता और संविधान के प्रति प्रतिबद्धता से बहुत लाभ मिलने की संभावना है। उनका नेतृत्व यह तय करेगा कि कानून का शासन न केवल किताबों में, बल्कि जमीन पर भी महसूस किया जाए।

व्यवस्थापिका और न्यायपालिका आमने सामने, संविधान की अनुच्छेद 368 पर मतभेद

अजय दीक्षित

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि द्वारा तमिलनाडु सरकार द्वारा पेश और विधानसभा द्वारा पारित 10 बिलों को स्वीकृत करने में देरी को लेकर हफ्ते भर पहले सरकार की ओर से दायर याचिका की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यपाल को कड़ी फटकार लगाई और सभी लंबित बिलों को खुद ही स्वीकृत कर दिया। इस याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने राज्यपालों को लपेटे में लेकर कहा उन्हें किसी पार्टी विशेष के लिए कार्य नहीं करना चाहिए। दूसरा उदाहरण वक्फ संशोधन विधेयक संबंधी याचिका में सुनवाई कर दो अंतरिम आदेश दिए। इन दोनों घटनाओं से लुटियन्स में बबाल आ गया है। इसे व्यवस्थापिका और न्यायपालिका में भीषण टकराव के रूप में देखा जा रहा है।

सबसे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय संसद से पारित ओर राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद कानून में बदलाव नहीं कर सकती न ही रोक सकती । अब भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सर्वोच्च न्यायालय को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि संविधान की अनुच्छेद 368 संसद को कोई भी कानून बनाने का अधिकार देती है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद सर्वोपरि है। दूसरी ओर सर्वोच्च न्यायालय की जू भी नहीं रेंग रही है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने तो जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से बरामद अद जले नोटो के मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं कराने वाला मामला भी उठाया।

सीजेआई संजीव खन्ना 13 मई 26 को रिटायर हो रहे हैं और वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक की सुनवाई 05 मई को है ।

ऐसे में अगर कोई आदेश वक्फ संशोधन विधेयक याचिका में पारित हुआ तो केंद्रीय सरकार की किरकिरी होना तय है।

केशवानंद भारती विरुद्ध केरल सरकार 1973 में सर्वोच्च न्यायालय की 13 जजों वाली संविधान पीठ ने 7-6 के बहुमत से आदेश जारी किया था कि संसद कानून बना सकती है, संशोधन कर सकती है लेकिन मौलिक अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। संविधान के मूल ढांचे में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यवस्थापिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका तीन अंग हैं

व्यवस्थापिका के मुखिया राष्ट्रपति है ,जबकि न्यायपालिका के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और प्रधानमंत्री कार्यपालिका के प्रमुख हैं। तीनों संस्थानों के अलग अलग कार्य हैं जिनमें कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति ज़बाब देय है। न्यायपालिका स्वतंत्र है। आजादी के बाद 26/01/1950 को संविधान बना और भारत गणराज्य बना। लेकिन जब तब व्यवस्था और ज्यूडिशियल की अप्रत्यक्ष लड़ाई विभिन्न मुद्दों पर देखने को मिलती है।

कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एक राष्ट्रीय लॉ कमीशन बना ना चाहती है और बना भी देते हैं मगर अंत में ज्यूडिशियल इस लॉ कमीशन को स्वत ही संज्ञान में ले कर रद्द कर देती है। और दलील यह दी जाती है कि इससे संविधान की मूल ढांचे को क्षति होगी । न्यायपालिका स्वतंत्र नहीं रह पाएगी। इसलिए कॉलेजियम ही न्यायपालिका में नियुक्ति के लिए सही तरीका है।हालांकि जजों की नियुक्त से पूर्व राज्य सरकार, केंदीय सरकार से परामर्श लिया जाता है। सॉलिसिटर जनरल,राज्यों में अटॉर्नी जनरल की राय ली जाती है जो केंद्र सरकार और राज्य सरकार के प्रतिनिधि होते हैं।

बांग्लादेश लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की राह पर लौटेगा

बांग्लादेश की अपस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना निर्वासन के दर्द और पीड़ा से धीरे-धीरे उबर रही हैं। बंगाली नववष-'पोहेला बैशाख' के अवसर पर अपनी पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और देशवासियों के लिए जारी अपने संदेश में उन्होंने कहा है, 'आज स्वतंत्रता-विरोधी ताकतों ने बांग्लादेश में अवैध रूप से सत्ता पर कब्जा कर लिया है। वे सक्रिय रूप से बंगाली संस्कृति को नष्ट करने की कोशिश कर रही हैं।' उन्होंने दो टूक कहा, 'जो लोग अब बांग्लादेश का शासन चला रहे हैं, वे राष्ट्र और हमारी संस्कृति के दुश्मन हैं।' लोगों को याद होगा कि पिछले वर्ष अगस्त में कट्टरपंथियों ने शेख हसीना की निर्वाचित सरकार का तख्ता पलट दिया था।

उसके बाद से वे भारत में निर्वासित हैं। हाल-फिलहाल बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उससे प्रतीत होता है कि वहां इस समय बंगाली अस्मिता और इस्लामी पहचान के बीच सीधा संघर्ष चल रहा है। अमेरिका के समर्थन से देश की सत्ता की बागडोर संभालने वाले मो. यूनुस अैर कट्टरपंथी जमाते इस्लामी व हिफाजते इस्लाम जैसे संगठन बांग्लादेश का नया इतिहास लिख रहे हैं।

बांग्लादेश में शुरू से बैसाख महीने के पहले दिन 'मंगल शोभायात्रा' के नाम से जुलूस निकाला जाता रहा है। लेकिन इस वर्ष हिफाजते इस्लाम और जमाते इस्लामी जैसे कट्टरपंथी संगठनों ने मंगल शोभायात्रा को हिन्दू अनुष्ठान बताकर इसका नाम बदलने के लिए सरकार पर दबाव बनाया।

सरकार ने इसका नाम बदल कर 'आनंदो शोभायात्रा' कर दिया। आश्चर्य की बात यह है कि लोकतंत्र और मानवाधिकार की दुहाई देने वाले अमेरिका और पश्चिमी देश बांग्लादेश में इस्लामी पहचान की वकालत करने वाली ताकतों का समर्थन कर रहे हैं। इस हकीकत को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस्लामी कट्टरपंथी का जिन्न बोतल से बाहर आ गया है जो धीरे-धीरे पूरे समाज को धर्माधता की ओर धकेल देगा। सबसे भयावह स्थिति यह हो सकती है कि बंगाली संस्कृति वाला यह देश नया अफगानिस्तान या सीरिया न बन जाए।

उम्मीद की जानी चाहिए कि बांग्लादेश का मौन बहुमत धीरे-धीरे अपनी आवाज बुलंद करने लगे। कुछ महीने पूर्व यहां लाखों लोगों ने 'आमार सोनार बांग्ला' का सामूहिक रूप से गायन किया था। शेख हसीना के यह संदेश से उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं में नया जोश और उत्साह भरेगा। सबको इस दिन का इतंजार है जब बांग्लादेश लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की राह पर लौटेगा।

जैसे को तैसा जवाब देने का इरादा

हरिशंकर व्यास

भारत गजब की मायावी विश्वगुरूता में है! गुजरे सप्ताह पूरी दुनिया में डोनाल्ड ट्रंप से उथलपुथल हुई। सभी देश ट्रंप प्रशासन से बेइज्जत हुए। ट्रंप ने बड़ी इकॉनोमी में चीन के बाद भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगा उसे नंबर दो पर रखा। मगर हममें इसकी कोई प्रतिक्रिया, कोई विचार नहीं हुआ।

इस खामोख्याली में रहे कि ट्रंप ने हमें उतना नहीं मारा जितना चीन को और उसके साथ विएतनाम, कंपूचिया को मारा! हमें औकात दिखाई बावजूद इसके हम गौरवान्वित थे! चीन ने बतौर रियल महाशक्ति के अमेरिका से कहां- 'हम चुनौती के आगे झुकने वाले नहीं! हम आखिर तक लड़ेंगे।' और वैश्विक वित्तिय हल्कों में अफवाह है कि अमेरिकी ट्रेजरी के दीर्घकालीन बांड्स की बाजार में धड़ाधड़ बिक्री (कोई 29 ट्रिलियन डालर के) हुई तो ट्रंप के हाथ पांव फूले। उन्होने चीन को छोड़ सभी देशों पर लगे टैरिफ को 9 जुलाई तक टाला। सोचे, कौन झुका, कौन घबराया? डोनाल्ड ट्रंप। चीन में इतना सोचना-विचारना, हिम्मत और दीर्घकालीन तैयारी है जिससे वह हर तरह की तैयारी में है। वैश्विक वित्तिय बाजार में निवेश का सर्वाधिक सुरक्षित-खरा औजार अमेरिकी ट्रेजरी के बांड्स माने जाते है। और ये सर्वाधिक किसके पास है? जापान नंबर एक पर है और उसके बाद चीन के पास 761 बिलियन डालर के अमेरिकी बांड्स है। यदि चीन अकेले अमेरिकी बांड्स में बेचने शुरू करे व जापान भी इसी रास्ते पर चल पड़े तो अमेरिका की वित्तिय ताकत कुछ ही घंटों में राख में बदल जाएगी।

तभी ट्रंप के हाथ-पांव फूले। चीन को अपना दुश्मन चिंहित कर बाकि देशों पर अतिरिक्त टैरिफ रोका। कहते है जापान ने भी कुछ अमेरिकी बांड्स निकाले। उधर योरोपीय संघ के 27 देशों में से 26 देशों ने अमेरिका के खिलाफ टैरिफ की तैयारियों पर सहमति दी। कनाड़ा और मेक्सिकों ने बदले के कदम उठाए। पूरी तरह निर्यात पर टिके दक्षिण कोरिया, विएतनाम, कंपूचिया ने अपने प्रतिनिधी वाशिगंटन दौड़ा कर देश के व्यापार को बचाने की कोशिशे की।

और भारत ने क्या किया? कुछ नहीं! मानों हम न तीन में और न पांच में। ठिक भी बात है। विश्व व्यापार में भारत का कुल हिस्सा सिर्फ 2.4 प्रतिशत है। मगर गडबड यह है कि अमेरिका ही सबसे बड़ा वह देश है जिसे हम बेचते ज्यादा है और खरीदते कम है। हमें लाभ अमेरिका से ही है। इसलिए ट्रंप की चिढ़ है कि भारत जैसे देश से भी हम घाटे में है।

तभी ट्रंप ने नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान दबाव बना कर बजट से अमेरिकी उत्पादनों पर डूयटी घटवाई। फिर भी 26 प्रतिशत टैरिफ लगाए। मगर भारत ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यह रूख था कि बात करेंगे। हम कर ही क्या सकते है! भारत ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया कि वह भी जैसे को तैसा जवाब देने का इरादा रखता है। इसलिए तय माने डोनाल्ड ट्रंप भारत से कोई रियायत नहीं करेंगे। जुलाई में 26 फिसदी टैरिफ के अलावा वे भारत के फार्मास्यूटिकल सेक्टर की अलग कमर तोड़ेंगे। सो विदेश व्यापार की वास्तविकता से भी पता चलता है कि भारत न अपने बाजार में चीन की आर्थिक लूट को रोकने के विचार में समर्थ है और न अमेरिका या विश्व व्यापार में कोई ठोस, बराबरी का रिश्ता बना सकने का रोडमैप है।

इसलिए कि इस सबके लिए सोच-विचार का दिमाग है कहां? बस, एक ही इलहाम, एक ही ख्याल है कि हम विश्वगुरू! सोचे, पिछले दस वर्षों में दुनिया की बड़ी घटनाओं, विकास और ट्रेंड में क्या-क्या है? ट्रंप के व्यापार युद्ध से पहले, इजराइल-हमास युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध है। चीन ने भारत की सीमा पर दादागिरी दिखाई। पता नहीं भारत का कितना इलाका कब्जाया। अफगानिस्तान में तालिबानी वर्चस्वता बनी। दक्षिण एसिया के हर देश में चीन का दबदबा फैला। भारत में भी जलवायु परिवर्तन और मौसम की जानलेवा मार का ट्रेंड है। वैश्विक पैमाने पर आर्टिफिशियल बुद्धीमत्ता की छलांगे, स्पेस दौड़, मेटावर्स-एआरवीआर, क्रिप्टोकरेंसी में क्या-क्या नहीं होता हुआ है!

जबकि भारत की थिंकिंग, नैरेटिव, प्राथमिकता क्या है? हमें फ्री बांटने, रैवडियों की व्यवस्था बनानी है। हमें धर्म और जाति से चुनाव जीतना है। हमारी भीड़ हमारी ताकत है। भीड़ की भक्ति, भोंडापन देश का विकास है। हिंदू-मुस्लिम की मुर्गा लड़ाई हमारे राष्ट्रीय एकीकरण और राष्ट्र निर्माण का रास्ता है। डोनाल्ड ट्रंप ने 'अमेरिका फर्स्ट' के फितूर में सभी देशों को इस सोच-विचार के लिए मजबूर किया कि तब हमारा क्या? हम कैसे अपने आपको बदले? क्या नया सोचे? विश्व की तमाम तरह की व्यवस्थाओं के सिनेरियों में ब्रिटेन, योरोपीय संघ, जापान, चीन, आस्ट्रेलिया आदि लगभग सभी देशों ने अपने आप पर विचार, पुर्नविचार किया है, कर रहे है। वही भारत में इस सप्ताह वक्फ बोर्ड बिल, कांग्रेस अधिवेशन में पिछड़ों के आरक्षण, सीपीआईएम के अधिवेशन में 'धर्म' की चिंता और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक मुख्यमंत्री स्टालिन को नसीहत थी कि तमिल में दस्तखत तो कर दिखाएं!

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे 73 समाधान शिविर

दुर्ग। राज्य शासन के निर्देशानुसार शासकीय कार्यों में पारदर्शिता तथा योजनाओं व कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु सुशासन तिहार-2025 के तृतीय चरण अंतर्गत 05 मई 2025 से 31 मई 2025 तक समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने जिले में समाधान शिविरों के सफल संचालन हेतु नगरीय निकायवार एंव जनपद पंचायतवार शिविर तिथि तथा शिविर स्थल चिन्हांकित कर नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी तथा शिविर स्थल प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत दुर्ग, पाटन व धमधा अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में समाधान शिविरों का आयोजन किया गया है। जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत 05 मई 2025 को शास.उ.मा. शाला अण्डा में आयोजित शिविर में ग्राम पंचायत अण्डा, विनायकपुर, आमटी, आलबरस, निकुम, चिंगरी, अछोटी, कुथरेल, भरदा, कोनारी, चंदखुरी, भानपुरी, जंजगिरी, मतवारी, रिसामा सम्मिलित होंगे। 07 मई 2025 को शास. स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय सिरसाखुर्द में आयोजित शिविर में ग्राम पंचायत सिरसाखुर्द, जेवरा, समोदा, भटगांव, कुटेलाभाठा, खपरी कु,, करंजाभिलाई, कचांदुर, ढौर, खेदामारा, बासीन, बोड़ेगांव, खेलीडीह, अरसनारा और ग्राम पंचायत ननकट्टी सम्मिलित होंगे। 09 मई 2025 को शास. उ.मा. शाला मचांदुर में आयोजित शिविर में सम्मिलित ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत मचांदुर, चिरपोटी, पाउवारा, कोड़िया, कोकड़ी, हनोदा, पुरई, खोपली, डुमरडीह, घुघसीडीह, उमरपोटी, कातरो, बोरीगारका और ग्राम पंचायत करगाडीह शामिल है।

बाल विवाह के रोकथाम एवं एक युद्ध नशे के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में विगत दिन बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ एंव बाल विवाह के रोकथाम एवं एक युद्ध नशे के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम व रैलियों का आयोजन किया गया। जिला-दुर्ग शहरी परियोजना के अंतर्गत उरला अटल आवास दुर्ग में आयोजित कार्यकम में पोषण पखवाड़ा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधी एवं महिलाओं व बालिकाओं को महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग में पदस्थ सीता कनौजे एवं चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 से आशीष साहू, चन्द्रप्रकाश पटेल द्वारा मिक्षावृत्ति, बाल विवाह रोकथाम, दत्तक ग्रहण, फास्टर केयर, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की विस्तृत जानकारी दी गयी। अधिनियम 2006 के तहत 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की के विवाह को प्रतिबंधित करता है।

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत स्कूल में प्रवेश दिलाने अभिभावक ने जनदर्शन में लगाई गुहार

जनदर्शन में 137 आवेदन प्राप्त हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिला कार्यालय के सभाकक्ष में सहायक कलेक्टर अभिजीत पठारे एवं डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव ने साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा।

जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न

मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 137 आवेदन प्राप्त हुए। आज जनदर्शन में सबसे अधिक शिक्षा के अधिकार के तहत प्रवेश दिलाने के अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में शिकायत लेकर पहुंचे अंजोरा निवासियों ने पेयजल की समस्या को लेकर आवेदन दिया। ग्राम अंजोरा(ढाबा) में पेयजल हेतु कोई भी पर्याप्त संसाधन नही है। गांव में एक ही बोर है, जिससे पूरा गांव पानी पी रहा है। पानी की टंकी बने सात साल हो गए हैं, लेकिन गांव वालों को आज तक टंकी से पानी प्राप्त नही हुआ है। पानी को लेकर गांव वालों को बहुत बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने गांव में बोर खनन, हैंडपम्प सुधारने एवं टेंकर उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने पीएचई को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत कक्षा पहली में प्रवेश हेतु नोडल अधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया कि बी.पी.एल. राशन कार्ड में माता-पिता का नाम दर्ज नहीं है। इस पर अभ्यर्थी के परिजनों ने आपत्ति जताया। अभ्यर्थी के पिता ने बताया कि वर्ष 2007-08 में जब बी.पी.एल. सर्वे हुआ था, उस समय उनकी पुत्री नाबालिक थी और उनके दादा जो उस समय परिवार के संरक्षक थे, के नाम पर ही बी.पी.एल. कार्ड बना था। वर्तमान सत्र ना तो नगर निगम और ना ही राज्य शासन द्वारा कोई नया बी.पी.एल. सर्वे किया गया है, जिस कारण वर्तमान बी.पी.एल. कार्ड में उनका नाम नहीं जुड़ सका है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2007-08 में जारी सत्यापन प्रमाण पत्र में उनके परिवार का नाम हितग्राही के रूप में दर्ज है और यह प्रमाण पत्र शाला प्रवेश हेतु जारी किया गया था। इसी आधार पर आरटीई के अंतर्गत बच्चों को प्रवेश दिया जाता है। इस पर सहायक कलेक्टर ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त सभी आवेदनों को संज्ञान में लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदनों का परीक्षण कर तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

बगदाई धाम कॉलोनी वासियों ने स्ट्रीट लाईट लगवाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि बघेरा से कोटनी मार्ग बहुत ही व्यस्त मार्ग है। इस मार्ग में हजारों लोगों को आना-जाना लगा रहता है। रात होते ही सड़क पर पशु-मवेशी तथा शराबी लोगों का जमावाड़ा लगा रहता है। यह मार्ग अंधेरा होने के कारण दुर्घटना की आंशका बनी रहती है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने जनपद सीईओ को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

कलेक्टर सिंह ने ग्राम पतोरा में एफएसटीपी और प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का निरीक्षण कर कार्यों को सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह और जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे द्वारा ग्राम पंचायत पतोरा में फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) और प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत सचिव और वाटर एड संस्था के कर्मचारियों द्वारा फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की विस्तृत कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि इस यूनिट में 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों से मल-जल को एकत्र कर फिल्टरिंग हेतु टैंकों में संग्रहित किया जाता है। मल-जल को विभिन्न चेंबरों और टैंकों से गुजारकर

कई स्तरों पर शुद्धिकरण की प्रक्रिया पूरी की जाती है, जिसके पश्चात् इससे तैयार खाद को सोना खाद के नाम से जाना जाता है। यह खाद खेतों में उपयोग हेतु बेहद लाभकारी है।

एफएसटीपी में उपचारित जल को भी एक अलग चैम्बर में संग्रहित कर उसे गार्डनिंग (बागवानी) हेतु पुन: उपयोग किया जाता है। कलेक्टर श्री सिंह ने इस नवाचार की सराहना करते हुए निर्देशित किया कि आसपास के गांवों में क्लस्टर बनाकर इसी प्रकार की और यूनिट स्थापित की जाएं। उन्होंने कहा कि हम अब गांवों को ओडीएफबना चुके हैं, अब हमारा अगला लक्ष्य ठोस मल-जल प्रबंधन की दिशा में ठोस कार्य करना है। इसके साथ ही कलेक्टर ने प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भूजल एवं मृदा को प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण से बचाने पर विशेष बल दिया और प्लास्टिक कचरे के सुरक्षित और वैज्ञानिक निपटारे के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

व्यापम की परीक्षाओं में दिव्यांगजनों को सह लेखक की सुविधा के संबंध में दिशा निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। माननीय उच्चतम न्यायालय व केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित प्रवेश पात्रता और भर्ती परीक्षाएं जिनका ऑनलाइन आवेदन 01 मार्च 2025 से लिया गया है, उन परीक्षाओं में दिव्यांगजनों को सह-लेखक की सुविधा दिये जाने/अथवा रखे जाने की अनुमति दिये जाने संबंधी विस्तृत निर्देश जारी किये गये हैं।

व्यापम के परीक्षा संचालन निर्देशिका के प्रावधान अनुसार दृष्टिबाधित, दोनों हाथ से दिव्यांग (बीए) एवं सेलिब्रल पाल्सी की श्रेणी के परीक्षार्थियों अथवा अन्य श्रेणी के संदर्भित दिव्यांगजन जिन्हें शारीरिक एवं मानसिक अक्षमता के कारण लिखने में शारीरिक बाधा कठिनाई हो, उन्हें मांग करने पर सहलेखक की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी।

इसके लिए इन्हें प्रपत्र 1 (ए) या प्रपत्र 1 (बी) में सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र, आबंटित परीक्षा केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष को अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित प्रपत्र-1 (ए) या प्रपत्र 1 (बी) में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही सहलेखक की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। परीक्षार्थी नियमानुसार स्वयं सहलेखक की व्यवस्था कर सकते है अथवा परीक्षा केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष से सहलेखक उपलब्ध कराने हेतु निवेदन कर सकते हैं।

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में 'एक सार्थक चर्चा' संवाद कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर 21 अप्रैल 2025 को 'एक सार्थक चर्चा' संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संयंत्र के जनसंपर्क सभागार में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं कि उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। साथ ही महाप्रबंधक (जनसंपर्क) प्रशांत तिवारी, सहायक महाप्रबंधक अपर्णा चंद्रा, सहायक महाप्रबंधक जवाहर बाजपाई, सहायक महाप्रबंधक शरद निगम, सहायक महाप्रबंधक (संपर्क, प्रशासन) एम. श्रीनिवास, सहायक महाप्रबंधक सुभाष पटेल, उप प्रबंधक जितेन्द्र दास माणिकपुरी, कनिष्ठ प्रबंधक विवेक सिंह चैहान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक अमूल्य प्रियदर्शी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि जनसंपर्क केवल सूचना का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि यह संस्था और समाज के बीच विश्वास, संवाद और पारदर्शिता का सेतु है। उन्होंने कहा कि एक सक्षम जनसंपर्क प्रणाली संस्था की सकारात्मक छवि के निर्माण में अहम योगदान देती है। महाप्रबंधक प्रशांत तिवारी ने भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग में अपने लगभग 35 वर्षों के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि समय के साथ जनसंपर्क के स्वरूप में उल्लेखनीय बदलाव आए हैं। विशेष रूप से सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की उपस्थिति ने इस क्षेत्र को नई दिशा और धार दी है। हमे बदलते तकनीकों और विकसित सुविधाओं का सदुपयोग करते हुए अपनी कार्यशैली को और भी उन्नत और कुशल बनाना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्रीमती अपर्णा चंद्रा ने राष्ट्रीय और विश्व जनसंपर्क दिवस की पृष्ठभूमि साझा करते हुए बताया कि राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस प्रतिवर्ष 21 अप्रैल को तथा विश्व जनसंपर्क दिवस 16 जुलाई को मनाया जाता है। उन्होंने जनसंपर्क के सामाजिक और संगठनात्मक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसकी भूमिका को रेखांकित किया।

उप प्रबंधक जितेन्द्र दास माणिकपुरी ने विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए जनसंपर्क विभाग को भिलाई इस्पात संयंत्र की सफलता का एक मजबूत आधारस्तंभ बताया। कार्यक्रम के समापन पर जनसंपर्क विभाग द्वारा सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, एवं प्रशिक्षुओं को उनके उत्कृष्ट कार्यशैली के लिये उपहार देकर सम्मानित किया गया व भविष्य में भी इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

बीएसपी के वर्क्स जोन के 141 कर्मचारी सेल शाबाश योजना श्रेणी-2 पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के वर्क्स क्षेत्र से जुड़े 141 कर्मियों और अधिकारियों को उत्पादन इकाइयों में उनके सराहनीय योगदान की मान्यता स्वरूप सेल शाबाश योजना श्रेणी-2 पुरस्कार प्रदान किए गए। वर्ष 2024-25 के लिए आयोजित इस पुरस्कार समारोह का आयोजन 19 अप्रैल 2025 को संयंत्र भवन में किया गया, जिसमें कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया और उन्हें भविष्य में भी इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सेल शाबाश योजनाष् श्रेणी-2 पुरस्कार के अंतर्गत पुरस्कार विजेताओं को एक प्रशंसा पत्र के साथ 5,000 रुपये मूल्य के सेलम इस्पात संयंत्र के उत्पादों के उपहार से सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष सेल शाबाश योजना श्रेणी-2 के अंतर्गत सम्मानित किए गए 141 कर्मचारियों में ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस-3, एलडीसीपी, कोक ओवन एवं कोल केमिकल, टी-डी, आरएसएम, यूआरएम, पीपीसी, एमआरडी, ईएमडी,

आरसीएल, बीआरएम, आरटीएस, एसपीएस, पावर फैसिलिटी, टेलिकॉम, सी एंड आईटी, एचआर, और ईडी (संकार्य) सचिवालय सहित वर्क्स जोन के लगभग सभी प्रमुख विभागों के अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे।

कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार ने इस अवसर पर अपने संबोधन में सेल द्वारा संचालित शाबाश योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पहल कर्मचारियों को सुरक्षा, दक्षता और लागत-प्रभावशीलता को बढ़ावा देने वाले उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित कर उन्हें प्रेरित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से कार्यस्थल पर सतर्कता बनाए रखने, असुरक्षित कार्यप्रणालियों की जानकारी तत्काल देने और सुरक्षा को कार्य संस्कृति का मूल आधार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी बताया कि संयंत्र प्रबंधन कर्मचारियों के कल्याण के लिए विभिन्न सुविधाओं में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है, और संयंत्र के समग्र विकास में उनकी भूमिका की सराहना करता है।

इस सम्मान समारोह में संयंत्र के वर्क्स जोन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिमें मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तुषार कांत, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बी.के. बेहरा, मुख्य महाप्रबंधक सुशील कुमार, मुख्य महाप्रबंधक टी.के. कृष्ण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक अनुप कुमार दत्ता, मुख्य महाप्रबंधक राजीव पांडेय, मुख्य महाप्रबंधक तुलाराम बेहरा, मुख्य महाप्रबंधक प्रोसेनजीत दास, मुख्य महाप्रबंधक समीर गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री, मुख्य महाप्रबंधक पी.आर. भल्ला, मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार, मुख्य महाप्रबंधक एस.के. घोषाल, मुख्य महाप्रबंधक टी. दस्तिदार, मुख्य महाप्रबंधक राहुल श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक पी.आर. मूर्ति, एवं मुख्य महाप्रबंधक देबदत्त सतपथी सहित अन्य विभागाध्यक्षों, वर्क्स क्षेत्र के मानव संसाधन अधिकारियों तथा कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) सचिवालय के अधिकारी शामिल थे। सभी अधिकारियों ने पुरस्कृत कर्मचारियों को बधाई दी और उनके उत्कृष्ट योगदान को संयंत्र की कार्य संस्कृति के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम का संचालन महाप्रबंधक एस.के. सोनी द्वारा किया गया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

आयुक्त विश्वदीप ने आरआरआर सेंटर्स का किया निरीक्षण

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम रायपुर के जोन क्रमांक 2 के अंतर्गत महात्मा गांधी वार्ड में नारायण हॉस्पिटल के समीप आरआरआर (रिड्यूज, रियूज, रिसाइकिल) सेंटर और ट्रांसफर स्टेशन का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। आयुक्त विश्वदीप ने केन्द्र सरकार के स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में रायपुर नगर पालिक निगम के विभिन्न जोनों में प्रारम्भ किये गए आरआरआर सेंटर्स का समाजहित में केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ शासन और रायपुर जिला प्रशासन की लोकहितकारी मंशा के अनुरूप अच्छी तरह से संचालन करना जोनों के माध्यम से सुनिश्चित करवाने के निर्देश जोन कमिश्नरों को दिए है।

आयुक्त ने निर्देश दिए है कि जनसहभागिता से आरआरआर सेंटर्स का सुचारु संचालन वार्डों में समाजहित में करने जनजागरण कर वार्डवासियों को अपने घरों की पुरानी वस्तुएँ आरआरआर सेंटर्स में देने अपील कर प्रोत्साहित किया जाये, ताकि पुरानी वस्तुओं का मलीन बस्तियों के रहवासियों को जागरूक बनाकर पूर्ण सदुपयोग शासन की मंशानुसार किया जा सके और मलीन बस्तियों के रहवासी आरआरआर सेंटर्स के माध्यम से पुरानी वस्तुएँ प्राप्त कर लाभान्वित हो सकें। आयुक्त ने ट्रांसफर स्टेशन में लगातार कचरा उठवाने की व्यवस्था देकर स्वच्छता बनाये रखने के निर्देश अनुबंधित रामकी कम्पनी के प्रतिनिधि को दिए है।

पद्म पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित, 31 जुलाई अंतिम तिथि

रायपुर। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025 के पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। ये पुरस्कार साहित्य, संस्कृति, कला सहित अन्य विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों और उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं। योग्य और पात्र व्यक्तियों के नामांकन ऑनलाईन पोर्टल एचटीटीपीएस एडब्ल्यूए आरडी.जीओव्ही.इन/के माध्यम से 31 जुलाई 2025 तक प्रस्तुत किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, निर्धारित प्रारूप में पूर्ण रूप से भरे हुए प्रस्ताव 14 जुलाई 2025 तक संचालक, संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा, सेक्टर-27, नया रायपुर (अटल नगर), छत्तीसगढ़ को प्रेषित किए जा सकते हैं। संबंधित विभाग ने स्पष्ट किया है कि अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त नामांकनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

सिख समाज ने किया ग्राम टेमरी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गलत खानपान व रहन सहन और जागरुकता के अभाव के कारण इन दिनों लोगों में कैंसर, हृर्दय रोग, चर्म रोग व अन्य बीमारियों बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन व्दारा ग्राम टेमरी, माना में आयोजित नि:शुल्क मेडिकल कैम्प में ग्रामीणों के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान उक्त बातें सामने आई। विशेषज्ञ डॉक्टरों के अनुसार लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक होने तथा समय समय पर परीक्षण व इलाज की आवश्यकता है।

विशेषज्ञों ने कहा कि जागरुकता के अभाव में बढ़ रही बीमारियां

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास निगम (क्रेड़ा) के अध्यक्ष सरदार भूपेंद्र सिंह सवन्नी ने कहा कि वे प्रयास करेगें कि आगामी मेडिकल कैम्पों में केन्द्र सरकार के आयुष्मान योजना के स्वास्थ्य कार्ड बनाने की व्यवस्था हो। कार्यक्रम में राज्य अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष सरदार अमरजीत सिंह छाबड़ा, नगर पालिका माना के अध्यक्ष संजय यादव, जनपद सद्स्य प्रतिनिधि शिखा निर्मलकर के प्रतिनिधि नीरज निर्मलकर और ग्राम टेमरी के सरपंच देवप्रसात साहू अतिथि के रूप से उपस्थित थे।

ग्राम टेमरी में आयोजित मेडिकल कैम्प में एसोसियेशन के संयोजक जी.एस. बॉम्बरा और अध्यक्ष एच.एस. धींगरा ने बताया कि रायपुर के एमएमआई नारायणा सुपर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से हृदय रोग विशेषज्ञ, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा चिखलीकर, डॉ. स्नेहिल गोस्वामी नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ.अदिति शर्मा शुक्ला, स्त्रो रोग विशेषज्ञ डॉ जया वाजपेयी, चर्मरोग विशेषज्ञ डॉ.ट्वविंकल सिंह ठाकुर, मेडीसिन के डॉ. स्वनिल कटारिया, एसोसियेशन के एक्युप्रेशर थेरपिस्ट राजपाल सिंह ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच कर परामर्श दिया और दवाईयां दी गई। आंखों की जांच के लिए डॉ आनंद सक्सेना के अरबिन्दों नेत्रालय की मोबाईल वैन, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ प्रिया सराफ की मोबाईल डेन्टल वैन में परीक्षण किया गया। मरीजों की ईसीजी, ब्लड शुगर व ब्लड प्रेशर की भी जांचकी गई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन के अध्यक्ष एच.एस. धींगरा, सचिव बी.एस.सलूजा, प्रो. डॉ. बी.एस. छाबड़ा, आर.एस.आजमानी, जे.एस. जब्बल, के.एस.झांस, कुलदीप सिंह छाबड़ा, दीप सिंह जब्बल, सुखबीर सिंह सिंघोत्रा, भूपेन्दर सिंह, तेजपाल सिंह हंसपाल, पिंकी जब्बल, हरमिन्दर कौर सलूजा उपस्थित थी। वहीं लायंस क्लब ऑफविमेंस की डॉ. रविंदर कौर बाम्बरा, कमलेश चावला, साधना आहूजा, देविन्दर कौर हंसपाल व्दारा सिक्खों के पांचवे गुरु श्री अर्जुन देव जी टीम की प्रकाश पुरब क अवसर पर छबील लगाकर मीठे शरबत का वितरण किया गया।

आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ वैदिक, सनातन व नूतन का संगम कर भारतीयता का बोध कराएं- डॉ. सिंह

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने भी किया संगोष्ठी को संबोधित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज समता कॉलोनी में भारतीय शिक्षा बोर्ड छत्तीसगढ़ रायपुर की संगोष्ठी संपन्न हुई। जिसमें 250 विद्यालयों के संचालक एवं प्राचार्यो ने भाग लिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे थी। मुख्य वक्ता डॉ. एनपी सिंह भारतीय शिक्षा बोर्ड रहे। सुनील अग्रवाल ने कार्यक्रम के अध्यक्षता की। सर्वप्रथम सरस्वती माता के प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित के पश्चात सरस्वती ज्ञान मंदिर कृष्णा नगर के शिक्षकों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया।

महापौर श्रीमती चौबे ने अपने उद्बोधन पर भारतीय शिक्षा बोर्ड शिक्षा के क्षेत्र में एक सतत व्यापक एवं भारत को आत्मनिर्भर बनाकर विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित करना है। उन्होंने इसे परम पूज्य स्वामी रामदेव महाराज का शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक एवं समग्र क्रांति के लिए बहुत अच्छा कदम बताई। मुख्य वक्ता डॉ. एनपी सिंह ने भारतीय शिक्षा बोर्ड का उद्देश्य आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ वैदिक शिक्षा देकर सनातन और नूतन का संगम करके प्रत्येक विद्यार्थी को भारतीयता का बोध के साथ आत्म गौरव का भाव जागृत कर पवित्र, चरित्र और व्यक्तित्व युक्त नेतृत्व का निर्माण करना बताएं। उन्होंने बताया कि भारतीय शिक्षा बोर्ड स्कूल शिक्षा का एक राष्ट्रीय बोर्ड है, जिसमें बालवाटिका से 12वीं तक का शिक्षा का प्रबंधन, संघ, संबद्धता, प्रमाणन और प्रमाणीकरण कार्यक्रम है। उन्होंने विस्तार से भारतीय शिक्षा बोर्ड के संबंध में जानकारी दी। डॉ. एमआर सावंत (जिला शिक्षा अधिकारी) महासमुंद ने भारतीय शिक्षा बोर्ड की उद्देश्यों की सराहना की और उन्होंने बताया कि शिक्षा बोर्ड का उद्देश्य व्यापक है।

गोपाल चक्रधारी प्रांतीय अध्यक्ष शिक्षा जागृति मंच ने भारतीय शिक्षा बोर्ड में वैदिक शिक्षा के साथ-साथ वैज्ञानिक शिक्षा को जोडने का बोर्ड अच्छा प्रयास बताया। राजीव गुप्ता (प्रांतीय अध्यक्ष) प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने बताया कि भारतीय शिक्षा बोर्ड की स्कूलों की शुरुआत सरस्वती शिशु मंदिर जैसे बड़े विद्यालयों से प्रयोग के तौर पर किया जाना चाहिए जिससे इसकी पहचान बनेगी। संजय अग्रवाल वरिष्ठ राज्य प्रभारी भारत स्वाभिमान ट्रस्ट ने डॉ. एनपी सिंह का परिचय बताएं तथा भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ने की अपील की। भारतीय शिक्षा बोर्ड छत्तीसगढ़ रायपुर के प्रभारी छबिराम साहू ने मंच का संचालन करते हुए भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्धता संबंधी जानकारी दी तथा उन्होंने बताया कि इस बोर्ड में गीता, पुराण, उपनिषद के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा एवं आधुनिक शिक्षा, कम्प्यूटर, रोबोट साइंस, कोडिंग ,डाटा एनालिसिस आदि का समावेश है। बोर्ड की संगोष्ठी में विशेष अतिथि के रूप में राजेश सिंह राणा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी क्रेडा, स्वामी नरेंद्र देव, डॉ. अनिल चौधरी, डॉ. अनिल पूनिया, डॉ. मनोज पाणिग्रही, ईलाहरी राव, तिलक चंद साव, प्रहलाद दमाहे, जगदीश महामल्ला, ढालचंद जैन, मनोज सोनी, शत्रुघ्न सोनकर, सत्यभामा, संगीता पाल, सरोज साहू, अनीता साहू, वर्षा जैन, नेहा, सीमा, रश्मि, उमा, प्रवीण राजेश्वर नागपुरे, वीणा, नंद, जय प्रकाश, छबिना, पंकजनी, प्रदीप साहू, रविशंकर साहू, परमेश्वर,गिरधारी साहू, रामअवतार कछवाल, कुमुद, अमन, नंदकुमार, सलोनी, के अलावा अधिक संख्या मे विद्यालय के संचालकगण, प्राचार्यगण, राजधानी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सुधा सोसायटी फाउंडेशन ने मनाया सिविल सर्विस डे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुधा सोसासटी फाउंडेशन, सामाजिक संस्था सिविल सर्विस डे 21 अप्रैल को मनाया । संस्था के चेयरमैन गोपाल कृष्ण भटनागर ने बताया कि भारतीय सिविल सेवा के अधिकारियों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। यह दिन जब 1947 में सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के प्रथम होम मिनिस्टर थे तब उन्होंने प्रोबेशनर सिविल सर्विस के ऑफिसर को भाषण दिया उस दिन की याद पर मनाया जाता है।

सिविल सर्विस डे का उद्देश्य सिविल सेवकों को उनके काम और योगदान के लिए सम्मानित करना है, जो देश के विकास और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह दिन सिविल सेवकों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने और उन्हें प्रेरित करने के लिए भी मनाया जाता है। इस लिए इस दिन के उपलक्ष्य में डॉ. गौरव कुमार सिंह एक प्रतिभाशाली और समर्पित आईएएस अधिकारी 2013 बैच के हैं, जिन्होंने रायपुर के जिला कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक कौशल ने उन्हें एक प्रभावी प्रशासक बनाया है।

उनकी पहल और योजनाओं ने रायपुर के विकास और प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. सिंह की कड़ी मेहनत और समर्पण ने उन्हें एक आदर्श अधिकारी बनाया है, जो जनता की सेवा करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उनकी उपलब्धियों और योगदान को देखते हुए सुधा सोसायटी के चेयरमैन श्री भटनागर और श्रीमती रेणुगुप्ता वॉलिंटियर ने उनको एक प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया। उन्होंने हिंदी मीडियम से सिर्फ 35 दिनों की अवधि में यूपीएससी की परीक्षा उतीर्ण की। उन्हे पीएम एक्सलेनेस अवार्ड भी मिला। समाज और देश के लिए प्रशासन की जिम्मेदारी निभाना उनकी प्राथमिकता रही है। हरदोई जैसे उत्तर प्रदेश के गाँव से आए ग्रामीण समस्या को निपटाने में योग्यता रखते है । उन्होंने सोलर एनर्जी में PHD भी की है। संस्था ने अपनी शुभकामनाएं डॉ. गौरव कुमार सिंह को दी।

लड़कियां अब आत्मरक्षा के लिए खुद को कर रही हैं तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अब बच्चियों को राह चलते छेड़ना या दुष्कर्म का सोचना भी महंगा पड़ेगा, क्योंकि लड़कियां अब आत्म रक्षा के लिए खुद तैयार हो रही है। एक पंच से दुष्कर्मियों को कैसे सबक़ सिखाया जाता है, इसकी ट्रेनिंग प्रदेश देवांगन समाज द्वारा आयोजित सेल्फ डिफेंस के शिविर में दिया गया। शिविर में 8 से 18 साल की बच्चियां भाग भाग ले रही हैं।

प्रदेश महिला देवांगन समाज द्वारा बीरगांव में प्रदेश व्यापी सेल्फ डिफेंस की नि:शुल्क ट्रेनिंग का आगाज हुआ। यह शिविर प्रत्येक रविवार को होगा। शिविर में ब्लैक बेल्ट राष्ट्रीय ट्रेनर अभिषेक पांडेय ने एक- एक पंच से दुष्कर्मियों को कैसे सबक सिखाया जाता है, इसकी ट्रेनिंग दी। उन्होंने बच्चियों को बेड टच और गुड टच में फर्क करना सिखाया। ट्रेनर पायल और डिगेश्वरी ने दंड चलाना सिखाया। शिविर में बच्चियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। प्रदेश देवांगन समाज के अध्यक्ष डॉक्टर ओमप्रकाश देवांगन ने कहा कि आजकल 3 साल की बच्चियां भी समाज में सुरक्षित नहीं है। पिछले दिनों दुर्ग में 3 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गयी थी, ऐसी घटना दिल को झकझोर देती हैं। ये घटना दोबारा किसी के साथ भी न घटे, इसलिए देवांगन समाज प्रदेश भर में सर्वसमाज की बच्चियों के लिए सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग शुरू कर रहा है। बीरगांव में इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया। इसे पूरे प्रदेश भर में फैलाया जाएगा।

इस अवसर पर प्रदेश देवांगन समाज के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष

दानसिंह देवांगन ने कहा कि हर बच्ची को अपने साथ होने वाले किसी भी घटना की जानकारी अपने परिवारवालों को देने की आदत डालनी चाहिए। जहां भी लगे कि कोई व्यक्ति उसे ग़लत तरीके से छूने या छेड़ने का प्रयास कर रहा है, उसका तत्काल प्रतिरोध करना चाहिये, इससे उसकी आगे बढ़ने की हिम्मत कभी नहीं होगी।

प्रदेश महिला देवांगन समाज की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रेणु देवांगन ने कहा कि हर माँ-बाप को अपनी बच्चियों को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग देना चाहिए। कार्यक्रम में प्रदेश महिला देवांगन समाज की प्रदेश महासचिव श्रद्धांजली देवांगन, संरक्षक लता देवांगन, जिला अध्यक्ष चंद्रकला देवांगन व डोमेश देवांगन उपस्थित थे।

आग लगने से उजड़ गया था आशियाना, सुशासन तिहार ने संवारा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेशभर में सुशासन तिहार का बड़े उत्साह के साथ आयोजन किया जा रहा है। सुशासन तिहार के अंतर्गत आमजनों की मांगों को पूरी करने और उनकी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने का अभियान चलाया जा रहा है। सुशासन तिहार के प्रथम चरण में आमजनों की मांग और शिकायतें आवेदन के रूप में मंगाई गई और दूसरे चरण में गंभीरता से उनका समाधान किया जा रहा है। ब्रम्हपुरी निवासी जरीना बानो के घर में आग लग जाने से काफी सामान जल गया। उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने की वजह से उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। परिवार का भरण-पोषण करने के लिए श्रीमती बानो ने मुआवजे के लिए तहसीलदार को पत्र लिखकर उन्हें अवगत कराया। श्रीमती बानो ने बताया कि उनके घर में आग लगने से दैनिक उपयोग का सारा सामान जल खाक हो गया और उन्हें काफी नुकसान हुआ। सुशासन तिहार के अंतर्गत मैंने पत्र लिखकर सरकार को अपनी समस्या बताई और मेरी पत्नी की सहायता राशि आबंटित की गई। तहसीलदार श्री पवन कोसमा ने जरीना बानो को 20 हजार रूपए का चेक सौंपा।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ का रायपुर में पेंशनभोगियों की हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार ने 25 मार्च को संसद में वित्त विधेयक पेश कर सीसीएस (पेंशन) नियमों में संशोधन किया है। इस संशोधन के तहत 31 दिसंबर 2025 तक पेंशन ले रहे पेंशनभोगियों को आगामी 1 जनवरी 26 से लागू होने वाले 8 वें वेतन आयोग के लाभ से बाहर कर दिया गया है।

केन्द्र सरकार का यह निर्णय सेवानिवृत शासकीय सेवकों के अधिकारों का उल्लंघन है। संवेदनहीन है और संविधान में प्रदत्त लाभ के अधिकार के विरुद्ध है अत: सरकार को इस विधेयक को निरस्त करना चाहिए। इसको लेकर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ देश भर में विधेयक के वापसी को लेकर आंदोलन छेड़ने की तैयारी कर रही है केंद्र और राज्य में पेंशनर संगठनों को एकजुट कर आंदोलनात्मक कार्यक्रम की शीघ्र घोषणा की जाएगी। उक्त बाते पेंशनरों की बैठक में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने कही और उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी एच सुरेश ने प्रधान मंत्री को पत्र भेजकर इस विधेयक पर विरोध जताया है और देश के पेंशनरों के हित में इस विधेयक को वापस लेने की मांग की है।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के कार्यालय में बैठक हुई। पेंशनरों की समस्याओं पर चर्चा हुई। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के पेंशनर्स और परिवार पेंशनरों को महंगाई राहत देने में विलंब किए जाने पर असंतोष जाहिर किया गया जारी विज्ञप्ति में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश

नेता क्रमश: वीरेन्द्र नामदेव, जेपी मिश्रा, द्रोपदी यादव,पूरन सिंह पटेल, अनिल गोल्हानी, बी एस दसमेर, प्रदेश में विभिन्न जिलों के नेता बी के वर्मा दुर्ग, आर एन टाटी बस्तर, राकेश जैन बिलासपुर, आर जी बोहरे रायपुर , आई सी अनिल तिवारी, नारायण प्रसाद यादव, जगदीश सिंह, सुजाता मुखर्जी,आर के नारद,पी एल सिंह,एम एन पाठक, एस पी एस श्रीवास्तव, शांति किशोर माझी, प्रवीण त्रिवेदी, कलावती पाण्डे,सी एल चन्द्रवंशी,रमेश नन्दे, प्रदीप सोनी, राजेश्वर राव भोसले, अनूपनाथ योगी, हरेन्द्र चंद्राकर, शिवसिंह भदौरिया, शकील अहमद, बीएल यादव, नरसिंग राम, एमआर वर्मा, मो. कासिम, डॉ. दिलीप कुमार सिंहदेव, सुरेन्द्र सिंह, शिव शेखर सिंह, एस के साहू आदि ने केन्द्र सरकार से वित्त विधेयक को वापस लेने और छत्तीसगढ़ सरकार से मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 को विलोपित करने हेतु कार्यवाही करने की मांग की है। ताकि बुजुर्ग वरिष्ठ नागरिकों को जीवन पड़ाव में आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। इस अवसर पर माह अप्रैल में जन्म लेने वाले दो साथियों क्रमश: अनिल पाठक और नरसिंग राम का पुष्पहार पहनाकर तथा गुलाब लगे गमला भेट कर अभिनंदन किया गया।

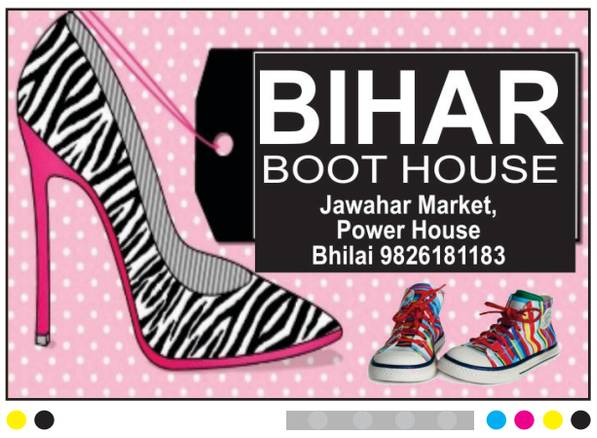

एक्ट्रेस करीना कपूर ने प्राइवेट पार्ट के साइज को लेकर कह डाली ये बात

बात जब भी दिल खोलकर बोलने की हो तो करीना कपूर का नाम आप पहले नंबर पर ले सकते हैं। उन्होंने हर बार अपने दिल की बात बेधड़क होकर कही है और इस वजहे से उन्हें कई बार परेशानियों का सामना भी करना पड़ा है।

एक बार तो उन्होंने मर्दों के प्राइवेट पार्ट के बारे में करण जौहर के शो में ही कह दिया था। जिसके बाद लोग काफी हैरान रह गए थे। करण जौहर और करीना कपूर को काफी अच्छा दोस्त माना जाता है और इनकी बॉन्डिंग के चर्चे पूरे बॉलीवुड में होते हैं और जब भी वो करण जौहर के शो में आती हैं तो सनसनी मचा कर जाती हैं।

करण जौहर का टॉक शो 'कॉफी विद करण' मनोरंजन जगत का सबसे विवादित टॉक शो माना जाता है। इस शो से कई ऐसी बातें बाहर आई हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर खूब बवाल मचाया और इन्हीं में से एक इंटरव्यू करीना का भी है, जब वो मर्दों के प्राइवेट पार्ट पर बोल उठी थीं।

'कॉफी विद करण' में वो एक बार एक्टर इमरान खान के साथ पहुंची थीं और इस दौरान करण ने बहुत से कंट्रोवर्सियल सवाल पूछे थे। रैपिड फायर राउंड के दौरान करण ने करीना से कई सवाल पूछे लेकिन करीना ने उनका जवाब देने से इनकार कर दिया। हालांकि करण के समझाने पर वो ये खेल खेलने के लिए तैयार हो गईं।

साइज को लेकर दिया जवाब

करण जौहर ने करीना कपूर से ये पूछ लिया कि क्या साइज मैटर करता है? इस पर करीना कुछ देर के लिए शांत हो गईं। वहीं इमरान खान ने कहा कि वो इसका जवाब सुनना चाहते हैं। थोड़ा सोचने के बाद करीना ने जवाब दिया कि उनके लिए साइज मायने रखता है। करीना का यह जवाब काफी ज्यादा खबरों में आ गया था। हालांकि, एक्ट्रेस को इन सबसे कुछ खास फर्क पड़ा नहीं था।

शाहरुख खान की बेगम से नहीं थी ये उम्मीद ट्रांसपेरेंट टॉप पहनने में की बहुत बड़ी चूक

शाहरुख खान की बीवी गौरी जहां भी जाती हैं अपने अंदाज से लोगों का ध्यान खींच लेती हैं। बीती रात भी उनका स्टाइल दमदार था। लेकिन एक भूल ही वजह से तारीफ करने की वजह लोग मजाक उड़ाने लग गए। वैसे लोग, जो समझ रहे थे ऐसा कुछ भी नहीं था।

शाहरुख खान की बेगम गौरी खान मशहूर इंटीरियर डिजाइनर के तौर पर मानी जाती है। गौरी का फैशन सेंस और स्टाइल भी सबसे अलग दिखता है। चाहे वह कैजुअल एयरपोर्ट लुक हो या ग्लैमरस रेड कार्पेट स्टाइल, मिसेज खान का अंदाज दिलों की धड़कनें बढ़ाने का काम करता है। बीती रात भी गौरी खान की स्टाइलिंग ने लाइमलाइट चुरा ली।

इस बार मिसेज खान ने ऑल-ब्लैक सेमी-फॉर्मल आउटफिट पहनकर टशन तो दिखाया। लेकिन एक गलतफहमी की वजह से लोगों को सवाल उठाने का मौका मिल गया। यहां तक कि गौरी का अंदाज हालही में अटायर को लेकर ट्रोल हुई काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी की भी याद दिला गया।

इवेंट में गौरी खान का अंदाज

गौरी खान ने लेटेस्ट लुक में जाने-माने ब्रांड टॉम फोर्ड के स्लीक ऑल-ब्लैक आउटफिट पहना था। जिसमें एक शानदार शीयर बो-टाई टॉप था, जिसे उन्होंने एक अलग अंदाज में पहना था। नेकलाइन को खुला रखा, जिससे एक वी शेप बन रहा था। बो को बांधने की जगब खुला छोड़ दिया, जिससे यह उनके टॉप के दोनों ओर आराम से गिर रही थी। इस क्लासिक टच ने उनके पहनावे को अट्रैक्टिव बना दिया था।

लोग क्यों उठा रहे सवाल

दरअसल शीयर टॉप ट्रांसपेरेंट होने के कारण इसके पीछे से गौरी खान की स्किन की हल्की झलक भी दिख रही है। पहली नजर में देखकर यही लगेगी कि उन्होंने ब्रालेट नहीं पहनी है हालांकि हसीना ने स्किन कलर की इनर को पहना है। वहीं टॉप की पफ्ड, ढीली स्लीव एक कंफर्टेबल वाइब जोड़ती है।

टॉप के साथ पैंट का परफेक्ट कॉम्बिनेशन

स्टाइल और आराम दोनों को सहजता से मिक्सअप गौरी बखूबी जानती हैं। तभी उन्होंने अपने शीयर टॉप को स्ट्रेच सैटिन सिल्क पीजे पैंट के साथ जोड़ा था। हाई-वेस्ट फिट पैंट पूरी तरह से सेटल था, जो चौड़े सिल्हूट के साथ चलने में भी कंफर्टेबल लग रहा था। साथ ही शीयर टॉप के साथ एक परफेक्ट कॉम्बिनेशन था।

यूं लुक को दी फीनिशिंग

गौरी खास की एक्सेसरीज उनके स्टाइल को अट्रैक्टिव बना रही थीं। उन्होने मिनिमल जूलरी, पेस्टल पिंक स्टिलेटो और ग्रीन कलर का बैग स्टाइल किया था। जबकि मेकअप ग्लैम जोड़ने का काम कर रहा था। उन्होंने चीकबोन्स पर गुलाबी ब्लश, आईशैडो, डिफाइन ब्रोज के साथ ग्लोइंग टच दिया और ब्राउन टोन वाली लिपस्टिक के साथ लुक को पूरा किया। बालों को साइड पार्ट और सॉफ्ट, लूज वेव्स के साथ स्टाइल किया, जो वॉल्यूम बढ़ाता था।

लोगों ने पूछा पैसे नहीं है क्या

ट्रांसपेरेंट टॉप की वजह से लोगों ने गौरी खान के लुक पर सवाल उठाए हैं। एक यूजर ने कमेंट में यह तक पूछ लिया कि पैसे नहीं है क्या। जबकि दूसरे ने कहा कि स्टार ऐसे कपड़े क्यों पहनते हैं। हालांकि कुछ लोगों ने गौरी खान के अंदाज की तारीफ भी की है।

काजोल की नई फिल्म मां का ऐलान, रिलीज तारीख से भी उठ गया पर्दा

काजोल की आगामी फिल्म 'मां' का पहला पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने इसके रिलीज की घोषणा कर दी है। 'शैतान' के बाद देवगन फिल्म्स एक और पौराणिक हॉरर फिल्म लेकर आ रही है। सामने आए पोस्टर में अभिनेत्री का शक्तिशाली रूप देखने को मिल रहा है।

काजोल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और साईविन क्वाड्रास द्वारा लिखित, 'मां' अच्छाई और बुराई के बीच लड़ाई पर आधारित है। फिल्म रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी का दावा करती है। अभिनेत्री के अलावा फिल्म में रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

सामने आए पोस्टर में अभिनेत्री एक छोटी बच्ची को अपने सीने से लगाए नजर आ रही हैं। दोनों का लुक काफी उग्र लग रहा है। पोस्टर में देखा जा सकता है कि दोनों घायल हैं। निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, नर्क यहीं है... देवी भी यहीं हैं!

काजोल की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'मां' 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली सहित कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी। जियो स्टूडियोज और देवगन फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, मां का निर्माण अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने किया है, जबकि कुमार मंगत पाठक इसके सह-निर्माता हैं। अभिनेत्री काजोल के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार कृति सेनन के साथ 'दो पत्ती' में देखा गया था।

एक्ट्रेस अमीषा पटेल की बिकिनी फोटो देखकर फैंस को लगा 440 वोल्ट का झटका, दिखाई दिया बेबी बंप

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने ऋतिक रोशन के साथ कहो ना प्यार है से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद सनी देओल के साथ फिल्म गदर एक प्रेम कथा में सकीना की भूमिका निभाकर वह छा गईं। सनी के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने बड़े पर्दे पर जादू बिखेरा। हालांकि उनकी एक लेटेस्ट फोटो ने हलचल मचा दी है।

गदर-2 एक्ट्रेस अमीषा पटेल 49 साल की उम्र में जितनी फिट और फाइन दिखती हैं उससे उनसे हर कोई इंस्पायर होता है। एक्ट्रेस ने ऋतिक रोशन के साथ फिल्म कहो ना प्यार है से डेब्यू किया था और इसके बाद गदर की सकीना बनकर सबका दिल जीत लिया।

हालांकि अब अमीषा पटेल की एक लेटेस्ट फोटो ने फैंस को कंफ्यूज कर दिया है। एक्ट्रेस ने ग्रीन कलर की मोनोकिनी में पोज देते हुए एक फोटो शेयर की है जिसमें वो उनका पेट काफी दिखाई दे रहा है। उनकी लेटेस्ट फोटो देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वो प्रेग्नेंट हैं?

ग्रीन कलर की बिकिनी पहने आईं नजर

अमीषा के लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट के अनुसार अभिनेत्री दुबई में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस ने कई फोटोज और वीडियोज शेयर की है जिसमें उन्होंने ग्रीन कलर की मोनोकिनी बिकनी के ऊपर व्हाइट कलर की शर्ट पहनी है। एक्ट्रेस इसी के साथ पूल में आईस्क्रीम खाती नजर आईं। वहीं एक फोटो में उन्होंने केवल बिकिनी पहनी है जिसमें उनका पेट साफ दिखाई दे रहा है। अमीषा ने अपने बाल खुले रखे हैं और टोपी के साथ धूप वाला काला चश्मा भी पहना हुआ है।

हालांकि, सोशल मीडिया पर तस्वीरें सामने आने के तुरंत बाद फैंस आश्चर्य में पड़ गए। उन्हें लगा कि अभिनेत्री प्रेग्नेंट हैं? एक प्रशंसक ने पूछा। प्रेग्नेंट लग रहे हो, या मेरी गलत फहमी है? एक अन्य ने लिखा - क्या आप प्रेग्नेंट हैं? एक तीसरी ने कमेंट किया-वह प्रेग्नेंट लग रही हैं। हालांकि कई फैंस उनकी तारीफ भी करते नजर आए। कुछ ने उन्हें खूबसूरत कहा, तो कुछ ने अभिनेत्री को हॉटी कहकर बुलाया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमीषा की कहो ना प्यार है इस साल जनवरी में सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई। न्यूज 18 शोशा को दिए एक इंटरव्यू में अपनी इस फिल्म के बारे में बात करते हुए अमीषा ने कहा, एक सामान्य लड़का और लड़की-नेक्स्ट-डोर होने से हम सनसनी बन गए। रोहित और सोनिया पूरे देश के ऋश बन गए। यह कोई साधारण फिल्म नहीं थी। लोगों ने किरदारों को जिया है!

झुर्रियां मिटाने के लिए महिलाएं करवा रही हैं लेजर स्किन टाइटनिंग

30 की उम्र तक आते-आते चेहरे पर झुर्रियां, झाइयां और महीन रेखाएं दिखने लग जाती हैं। ये बढ़ती उम्र के लक्षण होते हैं, जो महिलाओं के आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकते हैं। इनसे निपटने के लिए एक खास उपचार करवाया जाता है, जिसे लेजर स्किन टाइटनिंग कहते हैं। इस उपचार की मदद से चेहरे, गर्दन और पेट आदि की ढीली त्वचा में कसाव आ जाता है।

पहले जानिए क्या होती है लेजर स्किन टाइटनिंग

लेजर स्किन टाइटनिंग बिना सर्जरी वाला एक कॉस्मेटिक उपचार है, जो शरीर के प्राकृतिक कोजन उत्पादन को बढ़ता है। इससे ढीली और लटकने वाली त्वचा कस जाती है और बुढ़ापे के लक्षण कम हो जाते हैं। इस उपचार में त्वचा की परतों को धीरे-धीरे गर्म करने के लिए लेजर ऊर्जा का उपयोग किया जाता है। गर्मी त्वचा की मरम्मत प्रक्रिया को सक्रिय करती है और कोलेजन को बढ़ाती है, जिसकी मदद से त्वचा कसी हुई दिखाई देती है।

लेजर स्किन टाइटनिंग करवाने की प्रक्रिया

लेजर स्किन टाइटनिंग की प्रक्रिया त्वचा की जांच से शुरू होती है। इस दौरान त्वचा विशेषज्ञ मरीज की जरूरतों को सुनते और समझते हैं। इसके बाद त्वचा को साफ किया जाता है और आखों पर सुरक्षा वाला चश्मा लगाया जाता है। हाथ में पकड़े जाने वाले लेजर उपकरण को त्वचा पर धीरे-धीरे घुमाया जाता है। इस दौरान इन्फ्रारेड लाइट लेजर का इस्तेमाल किया जाता है। लेजर त्वचा की गहरी परतों में प्रवेश करके त्वचा के ऊतकों को कस देती है।

लेजर स्किन टाइटनिंग करवाने के फायदे

लेजर स्किन टाइटनिंग के कई लाभ होते हैं। यह उपचार मुख्य रूप से त्वचा को फिर से जवान दिखाने और उसकी बनावट में सुधार करने में मदद करता है। इसके जरिए त्वचा में कसाव आ जाता है, झुर्रियां कम हो जाती हैं और त्वचा की बनावट और रंगत में भी सुधार हो जाता है। इस उपचार को करवाने के बाद त्वचा के खुले हुए रोमछिद्र कम हो जाते हैं और प्राकृतिक निखार भी मिलता है।

इस उपचार को करवाने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

इस उपचार को करवाने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। स्किन टाइटनिंग करवाने से करीब 2 हफ्ते पहले से ही धूप के संपर्क में बिलकुल न आएं। इसके अलावा, कुछ दिनों पहले से ही रेटिनोइड्स या एक्सफोलीएटिंग एसिड जैसे तत्वों से लैस उत्पाद भी इस्तेमाल न करें। उपचार से पहले और उसके बाद भी ढेर सारा पानी पिएं और स्किन टाइटनिंग करवाते समय मेकअप लगाकर न जाएं।

हजारों ख्वाहिशें ऐसी की 20 साल पूरे, चित्रांगदा सिंह ने बताया, कैसी थी शूटिंग के वक्त हालत

सुधीर मिश्रा की फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी के रिलीज होने के 20 साल पूरे हो गए। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि इस फिल्म ने उन्हें सिनेमा की दुनिया से परिचित कराया था। सेट पर अपने पहले दिन को याद करते हुए, चित्रांगदा ने एक दिल छू लेने वाला वाकया शेयर किया।

उन्होंने कहा, पहली बार मैंने एक सही मूवी कैमरा देखा था, वो भी शूटिंग के अपने पहले दिन। यह वह सीन था, जहां केके का किरदार गेस्ट हाउस में गीता से मिलने आता है। यह एक भावनात्मक क्षण था, जिसे लेकर मैं घबराई हुई थी। मैं उस एहसास को कभी नहीं भूल सकती। मुझे लगता है कि मैंने दो या तीन टेक में शॉट ओके कर दिया। सुधीर मिश्रा ने बस इतना ही कहा, चित्रांगदा, फिल्मों में आपका स्वागत है। मुझे आज भी वह दिन बहुत स्पष्ट रूप से याद है। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी, हजारों ख्वाहिशें ऐसी एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिसे इसकी कहानी और मजबूत अभिनय के लिए सराहा गया। गीता के रूप में चित्रांगदा के चित्रण ने एक स्थायी छाप छोड़ी और दो दशक बाद भी इसकी सफलता का जश्न मनाया गया।

भारतीय इमरजेंसी की पृष्ठभूमि पर आधारित, हजारों ख्वाहिशें ऐसी 1970 के दशक के तीन युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जब भारत बड़े पैमाने पर सामाजिक और राजनीतिक बदलावों से गुजर रहा था। फिल्म का टाइटल उर्दू शायर मिर्जा गालिब के शेर से लिया गया है। चित्रांगदा अपनी पहली फिल्म में केके मेनन और शाइनी आहूजा के साथ नजर आई थीं। हाल ही में, चित्रांगदा को नेटफ्लिक्स सीरीज खाकी: द बंगाल चैप्टर में देखा गया था, जिसमें वह निबेदिता बसाक की भूमिका निभा रही हैं।

इसके बाद, वह अक्षय कुमार के साथ बहुप्रतीक्षित सीक्वल हाउसफुल 5 में नजर आएंगी। इसमें चित्रांगदा के साथ रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा और चंकी पांडे जैसे एक्टर्स मुख्य भूमिकाओं में हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट बैनर के तहत साजिद नाडियाडवाला ने हाउसफुल 5 का निर्माण किया है। फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निर्णय लेने में होती है कठिनाई? इसके लिए अपनाएं ये 5 तरीके, जल्द होगा फायदा

निर्णय लेने की क्षमता हर व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी होती है। कभी-कभी हम छोटे-छोटे फैसले भी लेने में देर कर देते हैं, जिससे हमारा समय बर्बाद होता है और तनाव बढ़ता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बना सकते हैं और समय की बचत कर सकते हैं। सही तरीके से निर्णय लेने से आप अपने जीवन को अधिक व्यवस्थित और संतुलित बना सकते हैं।

प्राथमिकताएं तय करें

निर्णय लेने से पहले यह जानना जरूरी है कि कौन-सा काम सबसे ज्यादा अहम है। इससे आपको पता चलेगा कि किस काम को पहले करना चाहिए और किसे बाद में टाल सकते हैं। इससे आपका समय भी बचेगा और आप बिना किसी तनाव के अपने काम कर पाएंगे। प्राथमिकताएं तय करने से आप अपने दिनचर्या को बेहतर बना सकते हैं और अनावश्यक तनाव से बच सकते हैं। सही प्राथमिकता तय करने से आप अधिक उत्पादक बन सकते हैं।

जानकारी इकट्ठा करें

निर्णय लेने से पहले जरूरी है कि आप उस विषय पर पूरी जानकारी इकट्ठा कर लें। इससे आपको सही विकल्प चुनने में मदद मिलेगी और गलत फैसले लेने की संभावना कम होगी। इंटरनेट, किताबें या विशेषज्ञों से सलाह लेकर आप सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जानकारी इकट्ठा करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप अधिक सोच-समझकर निर्णय ले पाएंगे। सही जानकारी के साथ लिया गया निर्णय अधिक प्रभावी और संतुलित होगा।

छोटे-छोटे विकल्प आजमाएं

अगर आपको किसी बड़े फैसले को लेकर उलझन हो रही हो तो छोटे-छोटे विकल्प आजमाकर देख सकते हैं। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि सही विकल्प कौन-सा हो सकता है। उदाहरण के लिए अगर आपको यह तय करना हो कि कौन-सा कपड़ा पहनना चाहिए तो पहले दोनों विकल्पों को अलग-अलग समय पर पहनकर देखें कि कौन सा अधिक आरामदायक है। इससे आप बिना किसी दबाव के सही निर्णय ले पाएंगे और समय की बचत होगी।

दूसरों की राय लें

कभी-कभी हम खुद से ज्यादा दूसरों की राय पर भरोसा करते हैं। इसलिए जब भी कोई अहम फैसला लेना हो तो दोस्तों या परिवार वालों से सलाह लें। उनके अनुभव और सुझाव आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं। इससे आपको अलग नजरिए से सोचने का मौका मिलेगा और आपका निर्णय अधिक संतुलित होगा। सही सलाह और समर्थन से आप अपने फैसलों में अधिक आत्मविश्वास महसूस करेंगे और गलत निर्णय लेने की संभावना कम होगी।

समय सीमा निर्धारित करें

निर्णय लेने के लिए एक निश्चित समय सीमा तय करें ताकि आप बेवजह देर न करें। उदाहरण के लिए अगर आपको यह तय करना हो कि कौन-सा खाना बनाना है तो खुद से कहें कि मुझे 10 मिनट के अंदर यह फैसला करना है। इससे आप जल्दी और सही निर्णय ले पाएंगे। इस तरह आप अपनी रोजमर्रा की चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकते हैं और अधिक उत्पादक बन सकते हैं।

मंत्री लखन लाल देवांगन ने दो नये अग्निशमन वाहन का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर कोरबा जिले को दो नये आधुनिक अग्निशमन वाहन की सौगात मिली है। कलेक्टोरेट परिसर में आज दो नये अग्निशमन वाहन का लोकार्पण उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 पवन सिंह कवंर, नगर निगम की महापौर संजू देवी राजपूत, कलेक्टर अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, पार्षद नरेन्द्र देवांगन एवं अन्य ने पूजा अर्चना कर एवं हरी झंडी दिखाकर किया।

मंत्री श्री देवांगन ने इस अवसर पर कहा कि कोरबा एक औद्योगिक जिला है। यहां आग लगने की संभावनाओं को देखते हुए एवं आग से बचाव के लिये आधुनिक अग्निशमन वाहन की आवश्यकता थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा कोरबा सहित छत्तीसगढ़ के

अन्य जिलों को भी अग्निशमन वाहन उपलब्ध कराये गये हैं। यह खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि गर्मी के दिनों में कभी भी आग लगने की घटना घट जाती है। ऐसे में अग्निशमन वाहन उपलब्ध होने से आग लगने की दुर्घटनाओं पर काबू पाया जा सकता है।

कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि दुर्घटनाओं का कोई समय नहीं होता, हम सतर्कता एवं सावधानी से बहुत सी दुर्घटनाओं से बच सकते हैं। आग लगने जैसी घटनाएं अचानक से घटती है, इस दौरान सबसे पहले फायर ब्रिगेड को ही याद किया जाता है। पर्याप्त संख्या में फायर ब्रिगेड उपलब्ध होने पर बड़ी दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने में आसानी होती है। यह सौभाग्य है कि आज दो नये फायर ब्रिगेड कोरबा जिले को मिले हैं। हम सभी को चाहिए कि छोटे रूप से बड़ा रूप धारण करने वाली आग को शुरूवाती चरणों में ही अपनी सूझबुझ से काबू कर लें। इससे जानमाल की हानि को भी रोका जा सकता है। हम सभी सतर्क और सावधान अवश्य रहें ताकि आग लगने जैसी घटनाएं न घटित हो।

होमगार्ड के कमांडेंट श्री बी.पी.सिदार ने बताया कि कोरबा जिले को 12 हजार लीटर क्षमता वाले वाटर वाउजर और पांच हजार लीटर क्षमता वाले वाटर टेंडर अग्निशमन वाहन उपलब्ध कराये गये हैं। वाहनों को फायर स्टेशन में रखा जायेगा। इसका संचालन प्रशिक्षित होमगार्ड के जवान एवं नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा किया जायेगा। उन्होंने बताया कि नये वाहन प्राप्त होने से आगजनी की दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने में सुविधा होगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मनोज कुमार, एसडीएम सरोज महिलांगे सहित होमगार्ड के जवान एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

छॉलीवुड एक्टर व विधायक अनुज शर्मा की पारिवारिक फिल्म 'सुहाग' ने मचाया धमाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिनेमा यानी छॉलीवुड के सुपर स्टार अनुज शर्मा की फिल्म सुहाग बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। 18 अप्रैल को रिलीज हुई यह पारिवारिक फिल्म तीसरे दिन भी हॉउसफुल रही। बड़ी बात ये है कि भीषण गर्मी में भी लोग इस फिल्म को देखने सिनेमा हॉल तक पहुंचे।

इस दौरान सुपरस्टार अनुज शर्मा अपनी पूरी टीम के साथ सिनेमा हॉल पहुंचकर दर्शकों का आभार जताया। वहीं दर्शक भी सेल्फी लेते नजर आये। फिल्म देखने पहुंचे दर्शकों का कहना है कि सुहाग एक पारिवारिक फिल्म हैं इसलिए वे अपने पूरे परिवार के साथ इसका आनंद ले रहे हैं।

फिल्म के माध्यम से प्रदेश के किसानी परिवेश, प्रदेश में मनाये जाने वाले त्योहारों के साथ शादी के सात वचनों से बंधने वाले बंधन को बहुत ही अच्छे तरीके से बताया गया है। दर्शकों ने फिल्म की स्टोरी और गानों की तारीफ करते हुए बताया कि फिल्म में इमोशनल का तड़का लगाया गया है। फिल्म का नाम सुहाग है, उसके अनुरूप फिल्म में शादी के वचनों के महत्व का दिखाया गया है।

सीएम साय ने की तारीफ

क्योंकि आज दौर में शादी कब तलाक तक पहुंच जाये, कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे में ये फिल्म इसी महत्व को बताने के प्रयास में लगी है। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने भी इस फिल्म की तारीफ की है।

खास खबर

नकली शंकराचार्य पर रोकथाम के लिए कड़े कानून बनाए जाए : आदित्यवाहिनी

कवर्धा-रायपुर। नकली शंकराचार्य के विरोध में आदित्यवाहिनी के द्वारा व्यापक अभियान चलाया गया था। जिसमें सफलता मिलने के बाद धर्मसंघ पीठ परिषद आदित्यवाहिनी एवं आनंदवाहिनी के द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें घटना की विस्तृत जानकारी दी गई तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। जिसमें आदित्य वाहिनी के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य गण उपस्थित थे। प्रेसवार्ता के दौरान आदित्यवाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष अवधेश नंदन वास्तव एवं जिला अध्यक्ष आशीष दुबे ने जानकारी दी। एक प्रश्न के उत्तर में अवधेश नंदन वास्तव ने बताया कि दुर्ग जिला के अंतर्गत सुरडुंग जामुल में आयोजित रुद्र महायज्ञ में आयोजन समिति ने एक नकली शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद तीर्थ को गोवर्धन मठ पुरी पीठ के शंकराचार्य के रूप में संबोधित एवं प्रचारित करते हुए आमंत्रित किया था जिस पर आदित्यवाहिनी के द्वारा घोर आपत्ति दर्ज कराई गई। इसके विरोध में शासन एवं प्रशासन को ज्ञापन सोपा गया तथा जामुल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए नकली शंकराचार्य के विरुद्ध कार्यवाही करने का अनुरोध किया गया। इसी प्रकार अन्य जिलों के अतिरिक्त कवर्धा में भी कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सोपा गया था। पूरे प्रदेश भर से सनातन धर्मावलंबियों के द्वारा नकली शंकराचार्य के छत्तीसगढ़ आगमन पर रोक लगाने के लिए व्यापक अभियान चलाया गया फलस्वरुप आयोजन समिति ने लिखित में पत्र देकर यह अवगत कराया कि स्वामी अधोक्षजानंद तीर्थ के जगत गुरु शंकराचार्य होने के संबंध में सत्यता की जानकारी उन्हें नहीं थी किंतु अब आयोजन समिति एवं ग्राम वासियों ने स्वामी अधोक्षजानंद तीर्थ से कार्यक्रम में ना आने का आग्रह किया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। एक प्रश्न के उत्तर में वास्तव ने आगे बताया कि उक्त अधोक्षजानंद तीर्थ के विरुद्ध एफआई आर नहीं हुआ है किंतु नकली शंकराचार्य पर कार्यवाही की मांग हमारी जारी रहेगी । शासन से इस संबंध में कठोर कानून बनाए जाने का अनुरोध किया गया है। ताकि कभी कोई अराजक तत्व सनातन धर्म के सर्वोच्च धर्म गुरु के पद को विकृत , दूषित और कलंकित करने का प्रयास न कर सके। अधोक्षजानंद तीर्थ को फर्जी कहे जाने के संबंध में उन्होंने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय ने अनेक प्रकरणों में स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाभाग को गोवर्धन मठ पुरी पीठ का मद्जगतगुरु शंकराचार्य माना है ।

अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में सराहनीय पहल : धमतरी को मिला अत्याधुनिक अग्निशमन वाहन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन मंशा से जिले को आज अग्निशमन के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली है। आज स्थानीय रत्नाबंधा रेस्ट हाउस में सांसद महासमुंद मती रूपकुमारी चौधरी और विधायक कुरूद अजय चंद्राकर ने अग्निशमन वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बता दें कि जिले को तेल, गैस, बिजली या अन्य अति ज्वलनशील कारणों से उत्पन्न होने वाली आगजनी की घटनाओं से त्वरित और प्रभावी रूप से निपटने के लिए अत्याधुनिक फोम वेंडर सहित अधिक क्षमता वाली नई अग्निशमन वाहन प्राप्त हुई हैं, जो जिले को पहली बार उपलब्ध हुई है। इसकी क्षमता 6 हज़ार लीटर है, जिसमे 5 सौ लीटर फोम टैंक तथा 5 हज़ार 5 सौ लीटर पानी टैंक क्षमता है। साथ ही वाहन की क्षमता 6 हज़ार लीटर पानी की है। दोनों वाहन तकनीकी एवं अत्याधुनिक दृष्टि से लैस है। इस अवसर पर सांसद मती रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश का हर जिला आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर है। शासन की जनहितकारी सोच के अनुरूप जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सड़क और अग्निशमन जैसे मूलभूत ढांचों को लगातार सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिकों कि सुरक्षा हमारी सेवा है, इसी भाव से विष्णुदेव साय की सरकार सुशासन के साथ काम काम कर रही है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने इस पहल को जिले की सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। विधायक कुरुद अजय चंद्राकर ने कहा कि गर्मी के मौसम में आग लगने की संभावनाएं बनी रहती हैं। इस समस्या पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिले के लिए अग्निशमन वाहन की स्वीकृति प्रदान की। हाल ही में मुख्यमंत्री साय ने 20 अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिनमें से एक वाहन धमतरी जिले को आवंटित किया गया हैं।

एनडीआरएफ का प्रशिक्षण शिविर निगम भिलाई में हुआ आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह के आदेशानुसार नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। उददेश्य था कि निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अप्रत्याशित रूप से आए आपदा के समय किस प्रकार से प्रारंभिक बचाव किया जाए।

कोई भी समस्या बताकर नहीं आती है लेकिन सर्तकता एवं जानकारी रहने से बहुत कुछ कंट्रोल किया जा सकता है। समस्याएं कुछ प्राकृतिक होती है जैसे बाढ़, भूकंप, सुनामी, बिजली चमकना एवं मानव निर्मित समस्या जैसे आगजनी,

दुर्घटना, हार्ट टेक, पानी में डूबना, लू लगना इत्यादि ऐसे समय में क्या बचाव किया जाए।

प्रशिक्षण में बताया गया कि अगर किसी को हृदय घात के लक्षण दिखे तो सीपीआर कैसे देना चाहिए उन्हे सर्वप्रथम देखना कि गले के नीचे सांस चल रहा है कि नहीं। यदि नहीं चल रहा तो उसे मुंह से सांस देने की प्रक्रिया, किस प्रकार से इंसान को लेटाकर छाती के नीचे हाथों से 30-30 बार दबाना इस प्रकार कुल 5 बार दबाना चाहिए। जिससे व्यक्ति को होस आने की संभावना बढ़ जाती है, उसके बाद उसे तुरंत डॉक्टर को बुलाना चाहिए। प्रारंभिक उपचार कर देने से जीवन बचने की संभावना बढ़ जाता है। इसी प्रकार यदि दुर्घटना हो जाए तो कहीं से खून बह रहा है तो उसे साफकपड़े से डेटाल, साबुन जो भी उपलब्ध हो उससे अंदर से बाहर के तरफ साफ करके कपड़े से दबा देना चाहिए। उससे भी न रूके तो और कपड़ा लगाकर पटटी बांध देना चाहिए। यदि बिजली गिरने की संभावना है तो यह प्रयास करना चाहिए कि पानी, पेड़, विघुत उपकरण, मोबाईल, टीवी इत्यादि से दूर रहना चाहिए। घर सबसे सुरक्षित स्थल है, अपने आप को संकुचित करके बचा लेना चाहिए। पुरा प्रयास हो कि शरीर से जमीन का अर्थिंग न मिले। संयोग से यदि कार में बैठे हो तो उसके अंदर ही रहना चाहिए, बाहर नहीं निकलना चाहिए।

घर में यदि एलपीजी सिलेण्डर में आग लगे तो घबराना नहीं चाहिए। घर में कंबल को गीला करके ढक देना चाहिए। बिजली का उपकरण से सार्ट सर्किट हो तो सर्वप्रथम मेन कनेक्शन से कट आउट निकाल देना चाहिए। भूलकर भी पानी नहीं डालना है और हो सके तो उस पर रेत फेंकर बुझा देना चाहिए। अगर कोई पानी में डूब रहा है तो उसे बचाने के लिए रस्सी, लकड़ी या अन्य उपकरण को उसको पकड़ाकर बचाना चाहिए। सांप, कुत्ते के काटने पर घबराना नहीं चाहिए, लगभग 11 प्रकार के सांपो की प्रजाती होती है उसमें 2 प्रजाती के सांप ही जहरीले होते है, घबराहत से इंसान को ज्यादा नुकसान होता है। झाड़ फूक, बैगा आदि से बचना चाहिए। जहां तक हो सके रोगी को सम्बल प्रदान करना चाहिए। घबराहत से ही जहर फैलता है।

महापौर रामू रोहरा ने पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। महापौर नगरनिगम धमतरी रामू रोहरा ने जिला महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय परिसर से पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि पोषण रथ के माध्यम से जनसमुदाय को पोषण का महत्व के बारे में जानकारी दी जायेगी, जिससे बच्चों, किशोरियों और महिलाओं में पोषण के स्तर में वृद्धि होगी।

श्री रोहरा ने कहा कि जब हमारा समाज स्वस्थ्य होगा, तभी हम विकास की ओर अग्रसर हो सकते है। अधिकारियों ने बताया कि यह पोषण रथ नगरीय निकाय क्षेत्र और आसपास के गांवों में जाकर पोषण संबंधी जानकारी देगा। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

इस वर्ष पोषण पखवाडा की मुख्य थीम ''जिले को कुपोषण मुक्त करना, स्वास्थ्य जीवन शैली, जीवन के महत्वपूर्ण 1000 दिन महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देना है''। जिले में कुपोषण से मुक्ति के लिए जनजागरूकता तथा समुदाय तक पहुंच हेतु संवेदीकरण एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन जैसे पोषण भी पढाई भी सहयोग से ''पोषण पखवाडा 2025'' का आयोजन किया जा रहा है।

महिला समिति ने बंगला नववर्ष पर किए आयोजन

रायपुर (श्रीकंचनपथ न्यूज)। तिलक नगर महिला समिति की शीला सरदार एवं उनकी टीम द्वारा बंगला नव वर्ष पर के अवसर पर बहुत ही सुन्दर व आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर पूजा किया गया। जिसमें शहर के बंगाली समाज की महिलाएं उपस्थित रही। साथ ही महिलाओं द्वारा बंगला नृत्य संगीत और कविता पाठ करती का मनमोहक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन में मुख्य रूप से पूर्णिमा, बंदना मुखर्जी, चैताली कुंडू, एनडी चक्रवर्ती, राहूल चक्रवर्ती, अनूपम सहित समाजिक महिलाएं उपस्थित थीं।

निगम भिलाई में नागरिक सेवा दिवस मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में नागरिक सेवा दिवस मनाया गया। निगम सभागार में आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने सभी अधिकारी/कर्मचारियों की बैठक बुलाई। बैठक के दौरान अधिकारियो को संबोधित करते हुए बताया कि नागरिक सेवा करने का अवसर सभी को नहीं मिलता है।

यदि यह अवसर हमे मिला है तो हमारा प्रयास होना चाहिए कि नागरिको के साथ अच्छा व्यवहार करें। सर्वप्रथम उनकी जो समस्या है उसको सूना जावे, इससे उनको भरोसा मिलता है। जो काम खुद के करने लायक हो उसका निराकरण तुरंत कर देना चाहिए। अनावश्यक उसे दुबारा नहीं बुलाना चाहिए। अपने से नहीं हो सकता है तो उच्च अधिकारियो को भी सूचित करना चाहिए। शासन का दिशा-निर्देश है कि हमे समय अवधि के अंदर सभी कार्यो का संपादन करना है। समय पर आफिस आए, अपने दायित्वों का निर्वहन करें, सरकार इसी कार्य के लिए वेतन देती है जिससे हमारा परिवार चलता है।

आज सुशासन तिहार के अंतर्गत समीक्षा के दौरान प्रमुख मांगे जो थी उसमें पानी की समस्या जिस पर शीध्र-अतिशीध्र निराकरण किया जावे।

अगर कहीं पुरानी स्वीकृति है तो आवश्यकता के अनुसार कार्यो को पूर्ण कराया जाए। नागरिको के मांग अनुसार कार्य योजना बनाकर कार्य किया जावे। सुशासन तिहार में जितने भी मांग वाले आवेदन है उसमें क्षेत्र के सब इंजीनीयर मौके पर जाकर संबंधित व्यक्ति से मिलकर निरीक्षण करें। जोन आयुक्त भी अपने क्षेत्रों में भ्रमण करें। आयुक्त कभी भी किसी भी वार्ड में जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। सभी प्रकरणो पर समय अवधि के अंदर निराकरण करना आवश्यक है।

प्रमुख रूप से सुशासन तिहार में जो आवेदन आए है उसमें से औसतन पानी की समस्या, साफ-सफाई, जल निकासी, सड़क, नाली, ढक्कन निर्माण, पानी जमा होना, अवैध कब्जा, महतारी वंदन योजना आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए है। सबका निराकरण यथा संभव किया जा रहा है। बैठक के दौरान मुख्य अभियंता भागीरथी वर्मा, अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी, जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, येशा लहरे, सतीश यादव, रवि सिन्हा, कुलदीप गुप्ता, अभियंता एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रयास विद्यालय में प्रवेश के लिए जिले के 3,345 परीक्षार्थी हुए सम्मिलित

कांकेर। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत जिले में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु प्राक्रयन परीक्षा का आयोजन 20 अप्रैल दिन रविवार को किया गया, जिसमें जिले के सभी विकासखण्डों के कुल 03 हजार 345 परीक्षार्थी चयन परीक्षा में सम्मिलित हुए। इसके लिए कुल 03 हजार 958 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 613 छात्र-छात्राएं अनुपस्थित रहे। आदिवासी विकास के सहायक आयुक्त ने बताया कि परीक्षा को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिले में 15 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

नग्न घूम रहा था मानसिक रोगी, अचानक हुई मौत

बिलासपुर। रतनपुर थाना क्षेत्र के खैरखंडी गांव में एक मानसिक रूप से बीमार युवक की रहस्यमय हालात में मौत हो गई। मृतक के शरीर पर चोट के कई निशान मिलने के बावजूद पुलिस द्वारा बिना पोस्टमार्टम शव परिजनों को सौंपने से गांव में नाराजगी फैल गई। हंगामे के बाद पुलिस को शव दोबारा अस्पताल लाकर पोस्टमार्टम कराना पड़ा। मौत के कारणों का खुलासा रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, खैरखंडी निवासी अजय केंवट (25) मानसिक रोगी था। शनिवार को उसके माता-पिता मजदूरी के लिए बिलासपुर गए हुए थे। उसी सुबह अजय गांव में बिना कपड़ों के घूमता नजर आया। गांववालों ने इसकी जानकारी कोटवार को दी, जिसने 112 डायल सेवा को सूचना दी। कोटवार ने गांव के पंच और एक महिला रिश्तेदार को भी मौके पर बुलाया।

जब दोनों मौके पर पहुंचे तो अजय को तेज बुखार था, वह बुरी तरह लड़खड़ा रहा था और शरीर पर चोट के निशान स्पष्ट थे। 112 की टीम गांव पहुंची, लेकिन उसे अस्पताल नहीं ले गई। उनका कहना था कि पहले परिजन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं, तभी इलाज संभव है। कुछ देर बाद महिला रिश्तेदार ने अजय के पिता सुकालू केंवट को खबर दी, जो तुरंत गांव पहुंचे और बेटे को ऑटो से रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया।

ससुराल में फंदे पर झूली महिला

कोरबा। मानिकपुर चौकी क्षेत्र के दादर देहान पारा में एक विवाहित महिला की लाश फांसी के फंदे से लटकी हुई मिली है। महिला के परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि महिला को बच्चा न होने की वजह से मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही थी। महिला की शादी कोरबा के ग्राम दादर में चार साल पहले हुई थी। महिला के परिजनों का कहना है कि उसे लगातार ताने मारे जाते थे और ससुरालवाले उसे बच्चा न होने के कारण मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। यह सिलसिला कई महीनों से जारी था जिससे महिला तनाव में आ गई थी। परिवार का आरोप है कि ससुरालवालों ने मारपीट के बाद उसकी हत्या कर शव को फांसी पर लटका दिया। सूचना मिलने के बाद मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा किया। इसके बाद तहसीलदार की मौजूदगी में मृतका के परिजनों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और मामले को गंभीरता से लिया है। मानिकपुर चौकी प्रभारी नवीन पटेल ने कहा कि प्रारंभिक तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के छह जिले हुए नक्सल मुक्त : अब नहीं हटेगी फोर्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। देश से नक्सलवाद के खात्मे के ऐलान के बाद लगातार नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या घट रही है। दरअसल केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक प्रदेश को नक्सलमुक्त करने का ऐलान किया है। जिसमें से देश के 90 नक्सल प्रभावित जिले घटकर वर्तमान संख्या 75 हो गई है। नक्सलमुक्त जिलों को बांटा तीन श्रेणी में बाटा गया है। जिसमें अति नक्सल प्रभावित, पूर्व नक्सल प्रभावित व नक्सल प्रभावित तीन श्रेणी में बांटा गया है। इन जिलों में नक्सलमुक्त होने के बाद भी फोर्स की तैनात किया गया है। इन इलाकों में जो क्षेत्र के विकास होने तक भी तैनात रहने वाले हैं। माओ प्रभावित जिले लगातार प्रदेश के मानचित्र से कम हो रहे हैं। फोर्स की प्रभावी कार्रवाई से प्रदेश ही नहीं वरन देश से भी नक्सल प्रभावित 90 जिले की संख्या लगातार कम हो रही हैं।

छग के 18 जिले पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में गिने जाते थे। वर्तमान में ये कम होकर अब केवल 13 जिले ही बचे हैं। जिसमें से नक्सलमुक्त की श्रेणी में कोण्डागांव, बस्तर, धमतरी, गरियाबंद, अबांगढ़ चौकी और दंतेवाड़ा को रखा गया है, इन 6 जिले आते हैं जिनमें वहीं सामान्य रूप से प्रभावित नक्सल जिले में सूरजपुर कबीरधाम, व जशपुर सहित

इन इलाकों में खोले जाएंगे नए कैम्प

6 जिलों के नाम शामिल हैं।

इन इलाकों में सुरक्षाबलों द्वारा लगातार आपरेशन चलाया जा रहा है और स्थानीय प्रशासन के द्वारा शासन की कल्याणकारी योजनाओं को इन इलाकों में क्रियान्वयन करने से सफल हो रहे हैं। वहीं जनता इस बीच अपने को असुरक्षित महसूस ना करें इसके लिए भी पुलिस चौकी और नए कैम्प खोले जाएंगे।

वर्तमान में बस्तर से नक्सलियों को खदेड़ने के लिए नक्सल प्रभावित इलाकों में स्टेट के डीआरजी, बस्तर फाईटर व लोकल फोर्स के 20 हजार जवानों के अलावा लगभग 40 हजार केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बल तैनात हैं।बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने निर्माण कार्य में बाधा डालने के उद्देश्य से इस मार्ग पर प्रेशर आईईडी बिछा रखा है, जिसकी चपेट में जवान आ गया। घटना के तुरंत बाद जवानों ने स्थिति को संभालने की कोशिश की और घायल जवान का उपचार किया गया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और मनोज पुजारी की शहादत हो गई। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। आसपास के क्षेत्रों में संभावित संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है और जंगल में सचिंग जारी है।

नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई का परिणाम है कि संभाग के बस्तर व कोंडागांव के बाद दंतेवाड़ा जिले से नक्सलियों का लगभग सफाया कर नक्सलमुक्त करने हम प्रयासरत है। नक्सली बैकफुट में है बहुत जल्द पूरे संभाग को नक्सलमुक्त कर लिया जाएगा जिसके लिए शासन की मंशानुरूप रणनीति के तहत हम नक्सलियों के सफाए के साथ ही क्षेत्र के विकास की नीति पर काम कर रहे हैं।

केन्द्र सरकार ने प्रदेश के 5 जिलों को नक्सलमुक्त की श्रेणी में रखा है लेकिन इन जिलों से फोर्स को नहीं हटाया जाएगा, इन जिलों के विकास के लिए एक ओर जहां फोर्स की तैनाती रहेगी।

बीजापुर में प्रेशर आईईडी की चपेट में आकर सीएएफ का जवान शहीद, ड्यूटी के दौरान हादसा

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सोमवार को आईईडी की चपेट में आने से सीएएफ का एक जवान शहीद हो गया। जवान यहां सड़क निर्माण की ड्यूटी में लगा हुआ था इस दौरान यह हादसा हुआ। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर में तोयनार से फरसेगढ़ सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। तोयनार थाना क्षेत्र में तोयनार से फरसेगढ़ सड़क निर्माण में आईएसओ ड्यूटी में लगे सीएएफ 19वीं बटालियन के एक जवान मनोज पुजारी उम्र 26 नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी की जद में आकर शहीद हो गए। बताया गया है कि घटनास्थल तोयनार से चार किलोमीटर दूर फरसेगढ़ की ओर मोडमेड जंगल की है।

करंट लगने से सीआरपीएफ के जवान की मृत्यु

वहीं बीजापुर जिले में करंट लगने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की मृत्यु हो गई। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ के गंगालूर स्थित शिविर में करंट लगने से 195 वीं बटालियन के जवान सुजॉय पाल की मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम को लगभग 6.30 बजे पाल जब शिविर में था तब वह करंट की चपेट में आ गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद अधिकारियों ने पाल को गंगालूर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान पाल की मृत्यु हो गई।अधिकारियों ने बताया कि सूचना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।उन्होंने बताया कि पाल पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले का निवासी था। पाल के शव को उसके पैतृक ग्राम भेजा गया है।

सुपेला घड़ी चौक पर नाश्ता ठेले पर तोड़फोड़ जवान ने मारपीट कर सड़क पर फेंका पोहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला घड़ी चौक पर सोमवार की सुबह कार सवार दो युवकों का हंगामा देखने को मिला। सुबह सुबह चाय व पोहा लगाने वाले की ठपरी पर न सिर्फ तोड़फोड़ की बल्कि दुकान का पोहा व अन्य सामान भी फेंक दिया। यही नहीं नाश्ता सेंटर से चलाने वाले युवक से भी मारपीट की। इस मामले में सुपेला पुलिस ने टपरी चलाने वाले युवक की शिकायत पर दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मजे की बात यह है कि तोड़फोड़ करने वालों ने भी ठपरी वाले युवक खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज करा दी। यही नहीं शिकायत में यह कहा गया कि ठपरी वाले अपना पोहा स्वयं ही सड़क पर फेंक दिया। बहरहाल पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ काउंटर केस दर्ज किया है।

लक्ष्मीनगर सुपेला निवासी चंद्रभुषण साव ने बताया कि घडी चौक सुपेला में वह नास्ता एवं पोहा का ठेला लगाता है। उसने अपनी शिकायत में बताया कि सोमवार की सुबह 4 बजे से अपना नास्ता एवं पोहा ठेला लगाकर बेच रहा था। करीबन 4-30

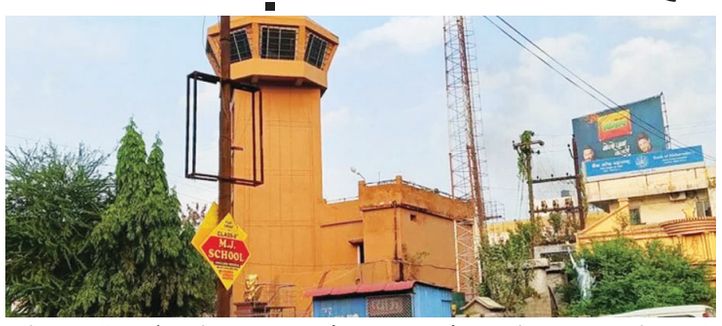

बजे कुंदन सिह और राजेश यादव नाम के दो युवक पहुंचे कहा कि तुम्हारे ठेला के कारण बहुत भीड भाड है उनको हटाते क्यों नहीं। इस पर चंद्रभूषण ने कहा कि जैसे आप ग्राहक हो वैसे वो लोग भी ग्राहक हैं। इस बात पर से नाराज होकर कुंदन सिंह व राजेश यादव ने गंदी गालियां और मारपीट कर मेरे पोहा ठेला के सामान फेंक दिया। बताया जा रहा है कि कुंदन सिंह सीएएफ का जवान है। इस मामले शिकायत पर सुपेला पुलिस ने कुंदन सिह, राजेश यादव 296-BNS, 3(5)-BNS, 324(4)-BNS, 351(2)-BNS अपराध दर्ज किया है।

इधर इस मामले में कुंदन सिंह ने भी काउंटर केस दर्ज कराया। उसने अपनी शिकायत में बताया कि वह शादी समारोह से अपने दोस्त राजेश यादव के साथ लौट रहा था तो घडी चौक ठेले पर अत्यधिक भीड देखी। कार का हार्न बजाकर भीड को हटा रहा था इतने में ठेले वाला मुझे बोला तु कौन होता है मेरे ग्राहक को भगाने वाला। समझाने पर वह भड़क गया और खुद की पोहा सड़क पर फेंकने लगा। कुंदन सिंह ने चंद्रभान पर मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया। कुंदन सिंह की शिकायत पर सुपेला पुलिस ने चंद्रभुषण साव के खिलाफ 115(2)-BNS, 296-BNS, 324(4)-BNS, 351(2)-BNS का मामला दर्ज किया है।

इंडियन ओवरसीज बैंक में 1.65 करोड़ का लोन घोटाला

ACB-EOW ने बैंक प्रबंधक सहित तीन को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गरियाबंद जिले के इंडियन ओवरसीज बैंक राजिम शाखा में पिछले दिनों सामने आए 1.65 करोड़ की ज्वेलरी लोन घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। ACB-EOW ने इस मामले में तत्कालीन बैंक प्रबंधक सुनील कुमार सहित तीन को गिरफ्तार किया है। इन

तीनों की गिरफ्तारी इस केस में पहले गिरफ्तार हो चुकी सहायक प्रबंधक अंकिता पाणिग्रही से मिले इनपुट के आधार पर की गई है।

बता दें यह पूरा मामला 2022 का है। गरियाबंद जिले की राजिम शाखा में 1.65 करोड़ की ज्वेलरी लोन घोटाला सामने आया। बैंक की तत्कालीन सहायक प्रबंधक अंकिता पाणिग्रही, प्रबंधक सुनील कुमार तथा लिपिक खेमन लाल कंवर, लिपिक योगेश पटेल ने मिलकर 11 किसानों के नाम पर फर्जी ज्वेल लोन निकालकर खुद को लाभ पहुंचाया था। इस मामले में शिकायत सामने आने के बाद ACB-EOW ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

इसके बाद इस मामले में ईओडब्ल्यू ने 8 अप्रैल को ओड़िशा में रेड कर तत्कालीन सहायक प्रबंधक अंकिता पाणिग्रही को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद अंकिता ने पूछताछ में बताया कि बैंक प्रबंधक सुनील कुमार और लिपिक खेमन लाल कंवर व लिपिक योगेश पटेल भी इस पूरे घोटाले में शामिल हैं। इसके बाद से ही ACB-EOW की टीम इनकी तलाश में लगी रही। आखिरकार ईओडब्ल्यू की टीम ने आरोपी बैंक मैनेजर सुनील कुमार को बिहार से पकड़ा और दोनों लिपिक खेमन लाल कंवर और योगेश पटेल को भी गिरफ्तार किया। फ्लिहाल तीनों आरोपियों को रिमांड में लेकर पूछताछ की जा रही है।

महिलाओं से धोखाधड़ी, फरार हुए पति-पत्नी

रायपुर। तिल्दा नेवरा के वार्ड क्रमांक 14 में रहने वाली राजिया बेगम और उसके पति रज्जब खान ने 9 परिवारों के साथ धोखाधड़ी की। महिलाओं और उनके परिवार को अलग-अलग मजबूरी बताकर बैंक से लोन लेकर चुकाने की बात कही, लेकिन रुपए लेकर दोनों फरार हो गए। अलग-अलग बैंकों में महिलाओं के नाम में लोन है। प्रारंभिक किश्त पटाने के बाद बाकी किश्त राजिया बेगम और रज्जब खान ने जमा करना बंद कर दिया। जिसके बाद जिन महिलाओं के नाम पर झांसा देकर लोन लिया था, उन महिलाओं के पास बैंक से फोन आने लगे। सभी महिलाएं सदमे में आ गईं। जिसके बाद सभी महिलाएं राजिया बेगम व रज्जब खान के घर गईं। जहां कुछ महीने का समय मांगा गया। एक साल बाद भी उधार की रकम वापस नहीं की गई। जिसके बाद 9 महिलाओं ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की शिकायत की है।

दूधवाले पर चापड़ से ताबड़तोड़ वार, बीवी से अवैध संबंध के शक में हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक सनकी ने दूधवाले पर मांस काटने वाले चापड़ से हमला कर दिया। सनकी युवक को शक था कि दूधवाले का उसकी बीवी से अवैध संबंध है। दूधवाले पर हमला करने के बाद वह बीवी की हत्या करने के इरादे से उसके मायके की ओर बढ़ा लेकिन उससे पहले ही मन बदला और थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। वहीं घायल दूधवाले को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार सिविल लाईन थाना क्षेत्र के मरीमाई मंदिर के पास रहने वाला 46 वर्षीय मोहम्मद मोबीन पेशे ड्राइवर है। पारिवारिक विवाद के कारण उसकी पत्नी घर छोड़कर अपने मायके सिरगिट्टी में रह रही है। रविवार 20 अप्रैल की दोपहर को पिरैया निवासी 40 वर्षीय जयपाल साहू अपनी बाइक पर दूध देने आया। इससे पहले की वह कुछ समझता मोबीन ने अपनी पत्नी से अवैध संबंध का आरोप लगाकर चापड़ से सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया।

अचानक हमले से आसपास के लोग भी सकते में आ गए। हाथ में चापड़ देखकर कोई बीच बचाव करने भी नहीं आया। कुछ देर मारने के बाद लहूलुहान हालत में उसे छोड़कर चला गया। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायल को अस्पताल पहुंचाया। दूधवाले पर हमला करने के बाद वह सीधे अपनी पत्नी के मायके की ओर निकल गया। हालांकि व पत्नी के पास जाने के बजाय थाने पहुंचा और सरेंडर कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

पहले दोस्ती फिर शादी का झांसा देकर किया महिला डॉक्टर से दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। PHE के SDO (सब डिवीजनल ऑफिसर) ने मेडिकल छात्रा से पहले दोस्ती की। इसके बाद उससे प्यार करने और शादी करने का वादा कर दुष्कर्म किया। लगातार सात साल तक वह शारीरिक संबंध बनाते रहा। इस दौरान युवती प्रेग्नेंट हुई तो अबॉर्शन भी कराया। फिर उसे धोखे में रखकर दूसरी युवती से शादी तय कर ली। इसकी जानकारी मिलने पर महिला डॉक्टर ने SDO खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अज्ञेय नगर निवासी नमित कोसरिया PHE में SDO है। उसकी पोस्टिंग जांजगीर-चांपा जिले में है। मेडिकल कॉलेज की 22 साल की छात्रा से नमित की दोस्ती थी, तब वह पढ़ाई कर रही थी।

साल 2018 में नमित ने उससे प्यार का इजहार किया और उसके साथ शादी करने का वादा किया, तब नमित प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। युवती ने पुलिस को बताया कि नवंबर 2019 में शाम करीब 5 बजे नमित उससे मिलने पहुंचा। वहां से अपने अज्ञेय नगर स्थित घर ले गया। नमित ने डॉक्टर को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद यह सिलसिला कई दिनों तक चला। तब नमित PHE में SDO बन गया था।

युवती ने पुलिस को बताया कि नमित सात साल से उसके साथ रिलेशन में था। हर साल वह अपना बर्थ-डे उसके साथ ही बिलासपुर में मनाता था। 14 अप्रैल को नमित का बर्थ-डे था, लेकिन वह नहीं आया। इससे पीड़िता को नमित पर शक हुआ। उसने जानकारी जुटाई तो पता चला कि नमित किसी और लड़की से शादी करने वाला है। 3 मार्च को उसने दूसरी लड़की से सगाई कर ली है। इस पर उसकी प्रेमिका ने शादी करने के लिए दबाव बनाया, जब वह नहीं माना, तब उसने सिविल लाइन थाने में केस दर्ज करा दी। पुलिस उसके खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

कार्डियक अरेस्ट से हुई सफेद शेर की मौत

बिलासपुर। कानन पेंडारी चिड़ियाघर की शान सफेद शेर 'आकाश' की सोमवार सुबह टहलते समय मौत हो गई। असमय मौत के पीछे कार्डियक अरेस्ट को वजह बताया जा रहा है। चिड़ियाघर प्रबंधन ने शव का पोस्ट मार्टम कर अंतिम संस्कार किया। बताया जा रहा है कि सुबह पिंजड़े की सफाई के लिए पहुंचे जू कीपर ने पानी डाला तो आकाश के शरीर में किसी तरह की हलचल नहीं हुई। उसने तत्काल इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। इस पर कानन के वन्य प्राणी चिकित्सक डॉ. पीके चंदन पहुंचे. जांच के बाद उन्होंने शेर को मृत घोषित कर दिया। मौत की वजह जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें हार्ट अटैक की पुष्टि हुई। इसके बाद मृत बाघ का अंतिम संस्कार किया गया। सफेद शेर आकाश जू में आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र हुआ करता था। उसकी मौत से वन्य प्रेमियों में शोक का माहौल है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

FaxNo.0788-2210482, Email ID-ee.durg@nic.in

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //

ज्ञाप क्रमांक - 4053/व.ले.लि./लेखा खंड/2025-26 दुर्ग दिनांक 17/04/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क SOR दिनांक 01.01.2025 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 25/04/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 01/05/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 08/05/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 09/05/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम No of Call	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
2 T0008	उपसंभाग क्रं.-01 दुर्ग के अंतर्गत आजाद हॉस्टल शासकीय विश्वनाथ तामस्कर महाविद्यालय भवन दुर्ग में विशेष मरम्मत कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	6.30
2 T0009	उपसंभाग क्रं.-01 दुर्ग के अंतर्गत कमिश्नर बंगला में अतिरिक्त बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	3.47

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोट :-1. " It is mandatory for the "B", "C" & "D" Class bidders, to submit (Annexure3, Annexure-"2".
2. It is Mandatory For The "A" Class bidder, to submit affidavit (Annexure 3, Appendix1, Anexure 1,2.
3. अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-252600375/4

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम में सुधार, औद्योगिक विकास को मिल रही नई दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम, 2015 में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। यह संशोधन, जो 27 फरवरी 2025 को अधिसूचित किया गया, औद्योगिक इकाइयों के लिए पट्टे पर दी गई भूमि के उपयोग और औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक आवास निर्माण को लेकर नए अवसर प्रदान करता है। इस कदम को राज्य की औद्योगिक नीति को और अधिक निवेशक-अनुकूल बनाने और स्थानीय श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर किए गए नए संशोधन के तहत, औद्योगिक इकाइयों को पट्टे पर दी गई कुल भूमि का 15 प्रतिशत हिस्सा गैर-औद्योगिक गतिविधियों, जैसे प्रशासनिक भवन, कैंटीन, या अन्य सुविधाओं के लिए नियमित करने की अनुमति दी गई है। पहले यह सीमा सख्त थी, जिसके कारण कई इकाइयों को परिचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब इस छूट से उद्यमी अपनी इकाइयों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए लचीले ढंग से भूमि का उपयोग कर सकेंगे।

गौरतलब है कि पहले औद्योगिक इकाइयों को पट्टे पर दी गई भूमि का उपयोग केवल विशिष्ट औद्योगिक गतिविधियों के लिए करना होता था। गैर-औद्योगिक उपयोग, जैसे कार्यालय भवन या कर्मचारी सुविधाओं के लिए, अनुमति लेना जटिल और समय लेने वाला था। नए नियम के तहत, 15 प्रतिशत भूमि को बिना किसी जटिल प्रक्रिया के नियमित करने की अनुमति दी गई है। यह उद्यमियों को परिचालन लागत कम करने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद करेगा। उदाहरण के लिए, एक इकाई अब इस 15 प्रतिशत भूमि पर कर्मचारी कल्याण केंद्र, प्रशिक्षण सुविधा, या गोदाम बना सकती है।

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक क्षेत्र अक्सर ग्रामीण या अर्ध-शहरी इलाकों में स्थित हैं, जहां श्रमिकों के लिए आवास की कमी रहती है। इससे श्रमिकों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिसका असर उनकी उत्पादकता पर पड़ता है। संशोधन के तहत, औद्योगिक इकाइयां अब अपने परिसर में या आसपास श्रमिकों के लिए आवास बना सकती हैं।

संशोधन के लाभ

15 प्रतिशत भूमि के नियमितीकरण की अनुमति से उद्यमी अपनी इकाइयों में बुनियादी ढांचे को बेहतर बना सकेंगे। इससे उत्पादकता और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। औद्योगिक क्षेत्रों में आवास सुविधा शुरू होने से श्रमिकों को सुरक्षित और सुविधाजनक आवास मिलेगा। यह उनकी कार्यक्षमता और जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद करेगा। अनुकूल नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। यह विशेष रूप से छोटे और मझोले उद्यमों के लिए लाभकारी होगा। श्रमिक आवास और औद्योगिक विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। औद्योगिक क्षेत्रों में आवास सुविधा से शहरी क्षेत्रों पर जनसंख्या का दबाव कम होगा, क्योंकि श्रमिकों को औद्योगिक क्षेत्रों में ही रहने का विकल्प मिलेगा।

औद्योगिक श्रमिक आवास निर्माण की अनुमति

संशोधन का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए आवास निर्माण की अनुमति है। यह कदम न केवल श्रमिकों को बेहतर रहन-सहन की सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों की उपलब्धता को भी बढ़ाएगा। इससे श्रमिकों को कार्यस्थल के नजदीक रहने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी यात्रा लागत और समय की बचत होगी।

यह सुविधा न केवल श्रमिकों के लिए लाभकारी होगी, बल्कि उद्यमियों को भी स्थिर और समर्पित कार्यबल उपलब्ध कराएगी।

औद्योगिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह संशोधन छत्तीसगढ़ को निवेश के लिए और अधिक आकर्षक बनाएगा। रायपुर के उद्योगपति, राजेश अग्रवाल ने कहा, 15 प्रतिशत भूमि के नियमितीकरण से हमें अपने परिसर में कर्मचारी सुविधाएं बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही, श्रमिक आवास की अनुमति से हमारे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस संशोधन को विकसित छत्तीसगढ़ के विजन का हिस्सा बताया है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य उद्योगों को बढ़ावा देना और साथ ही श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करना है। यह संशोधन दोनों उद्देश्यों को प्राप्त करने में मददगार साबित होगा।

छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम, 2015 में संशोधन राज्य के औद्योगिक विकास और श्रमिक कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 15 प्रतिशत भूमि के नियमितीकरण और श्रमिक आवास निर्माण की अनुमति से न केवल उद्यमियों को लाभ होगा, बल्कि श्रमिकों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आएगा।

गरियाबदं जिला में विकास की अपार संभावनाएं : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। राज्य सरकार द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश के तहत गरियाबंद जिले में नये कलेक्टर भगवान सिंह उइके को पदस्थ किया गया है। साथ ही निवर्तमान कलेक्टर दीपक अग्रवाल को नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के पद पर पदस्थ किया गया है।

इसी तारतम्य में कलेक्टर उइके ने आज कार्यभार ग्रहण किया। तत्पश्चात जिला अधिकारियों द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिले के अधिकारी-कर्मचारियों ने कलेक्टर श्री उइके को पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। साथ ही निवर्तमान कलेक्टर दीपक अग्रवाल को स्मृतिचिन्ह भेंटकर भावपूर्ण विदाई दी गई। इस दौरान नव नियुक्त कलेक्टर श्री उइके ने कहा कि वनांचल एवं आदिवासी बाहुल्य गरियाबंद जिला में विकास की अपार संभावनाएं है। शासन के मंशानुसार लोगों के हित के लिए योजनाओं का निरंतरता के साथ क्रियान्वयन किया जायेगा। साथ ही जिलेवासियों को शासन स्तर पर संचालित योजनाओं से हर संभव प्रयास करते हुए लाभान्वित किया जायेगा। इस दौरान निवर्तमान कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अपने कार्यकाल के दौरान किये कार्य उपलब्धि एवं अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की अच्छी टीम की बदौलत लोकसभा निर्वाचन राजिम कुंभ कल्प मेला, पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। साथ ही जिले में नवाचार कार्य करते हुए गौरव गरियाबंद अभियान, टी.बी. मुक्त अभियान, प्रयास कोचिंग, नवोदय कोचिंग, सुपोषण अभियान, सेल्फी विद ईपिक, पोषण निवेश जैसे कार्यक्रमों का संचालन कर राज्य में उत्कृष्ट स्थान हासिल किया गया। उन्होंने जिले में ऐसी ही विकास कार्य संचालित होते रहने की संभावनाओं के साथ सभी को शुभकामनाएं दी। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी.आर. मरकाम, अपर कलेक्टर अरविंद पाण्डेय,प्रकाश राजपूत, नवीन भगत, समस्त एसडीएम सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

समारोह के दौरान अधिकारियों ने निवर्तमान कलेक्टर अग्रवाल के कार्यकाल में जिले में हुए विकास कार्यों और उनकी नेतृत्व क्षमता की सराहना की। साथ ही उनकी कार्यशैली और नीतिगत निर्णयों को जिले के विकास में मील का पत्थर बताया। अधिकारियों ने कहा कि उनके मार्गदर्शन में जिले ने न केवल प्रशासनिक दक्षता में सुधार किया बल्कि समय प्रबंधन एवं शासकीय दायित्वों का निर्वहन के नये आयाम भी सीखे। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ मरकाम ने कहा कि निवर्तमान कलेक्टर अग्रवाल के कार्यकाल का अच्छा अनुभव रहा। उनसे व्यावहारिक एवं प्रशासनिक कार्यो में सहयोग प्राप्त हुए।

उन्होंने उनकी कुशल नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा करते हुए उनके भविष्य की शुभकामनाएं दी। अपर कलेक्टर अरविंद पाण्डेय ने कहा कि निवर्तमान कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिला कार्यालय में बायोमैट्रिक के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए अधिकारी-कर्मचारियों को समय के पाबंद रहने का नया अनुभव सीखाया। इसी प्रकार जल संसाधन विभाग के ईई एस.के. बर्मन, उप संचालक पशुपालन विभाग ओ.पी तिवारी एवं डीपीओ अशोक पाण्डेय ने भी निवर्तमान कलेक्टर अग्रवाल के कार्यो की प्रशंसा करते हुए नये कलेक्टर उइके के साथ कुशल समन्वय एवं उनके मार्गदर्शन में कार्य करते हुए जिले को आगे बढ़ाने की बात कही।

खरीफ सीजन में समय के पहले ही खाद एवं बीज का अग्रिम उठाव करना सुनिश्चित करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभाकक्ष में रबी 2024-25 की समीक्षा एवं खरीफ2025 का कार्यक्रम निर्धारण की संभागीय बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह, कलेक्टर कबीरधाम गोपाल वर्मा, कलेक्टर मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी तुलिका प्रजापति विशेष रूप से उपस्थित थे।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार ने खरीफमें धान का रकबा कम करने एवं दलहन-तिलहन, लघु धान्य फसलों तथा अन्य फसलों को प्रोत्साहित करने कहा। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन में खाद एवं बीज की कमी नहीं होना चाहिए। इसके लिए लगातार साप्ताहिक समीक्षा करें तथा सतत निगरानी करें। समय के पहले ही खाद एवं बीज का अग्रिम उठाव करना सुनिश्चित करें। धान के बदले दलहन-तिलहन, मक्का, गन्ना जैसे कम पानी की खपत वाले फसलों को लेने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना है। खरीफ सीजन में डीएपी, नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, नैनो युरिया जैसे उर्वरक की आपूर्ति होते रहे। उन्होंने कहा कि समितियों द्वारा पॉज मशीन में प्रविष्टि होते रहना चाहिए।

बीज वितरण करने के पहले बीज की गुणवत्ता का परीक्षण अवश्य कराएं। अल्पकालीन ऋण अंतर्गत धान की फसल के साथ ही अन्य फसलों के लिए पर्याप्त ऋण सुनिश्चित करें। उन्होंने राजनांदगांव जिले में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल चक्र परिवर्तन के लिए प्रोत्साहित करें।

उन्होंने राजनांदगांव जिले में जल संरक्षण हेतु जल स्तर बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कनर्वेजेन्स करते हुए जल संरचना का निर्माण करने और जल संरक्षण के कार्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

सुशासन तिहार : मोनिका सोना का बना मजदूर कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिले में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत समस्त विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि उन्हें सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करना है। सुशासन तिहार के प्रथम चरण में आम जनता से उनकी मांग और शिकायतों को ऑनलाइन और ऑफ्लाइन माध्यम से मंगाया गया। वहीं, दूसरे चरण में आमजनों के प्राप्त आवेदनों को त्वरित निराकरण किया जा रहा है।

सुशासन तिहार के अंतर्गत जिले की निवासी मोनिका सोना का मजदूर कार्ड बनाया गया। मजदूर कार्ड पाकर श्रीमती सोना काफी खुश नजर आई। उन्होंने बताया कि लंबे समय से उन्हें मजदूर कार्ड बनवाने के लिए काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। मजदूर कार्ड के अभाव में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उनको नहीं मिल रहा था। फिर उन्हें टेलीविजन और समाचार पत्रों के माध्यम से सुशासन तिहार की जानकारी मिली। उन्होंने अपनी मांग सुशासन तिहार के माध्यम से सरकारी अमले तक पहुंचाई।

मोनिका सोना ने जैसे ही अपना आवेदन पत्र

समाधान पेटी तक पहुंचाया, उसके दूसरे ही दिन जिला श्रम विभाग ने उनसे संपर्क किया। उन्हें कार्यालय बुलाया गया और सभी मूलभूत दस्तावेज मंगाए गए। विभाग के अधिकारियों ने उनके दस्तावेजों का परीक्षण किया और उन्हें मजदूर कार्ड बनाकर दिया गया। साथ ही उन्हें श्रम विभाग की ओर से शासन की जनकल्याकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

मोनिका सोना ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि अब मजदूरी कार्ड के माध्यम से मुझे मंडल में संचालित योजनाओं का लाभ मिलेगा। काफी दिनों से जिन योजनाओं से वंचित रही, मुख्यमंत्री जी की इस पहल से अब वह मुझे आसानी से मिलने लगेगी।

प्रधानमंत्री आवास 2.0: अब तक 1 लाख से ज्यादा परिवारों का हुआ सर्वे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से हितग्राहियो को लाभान्वित करने के उद्देश्य से मोर दुआर साय सरकार अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत पूरे जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के ग्राम पंचायतों में घर-घर जाकर सर्वेक्षको के द्वारा आवास सर्वेक्षण को शत् प्रतिशत पूर्ण कराने के लिए पात्र हितग्राहियों के सर्वे का कार्य किया जा रहा है। जिसमें अब तक 1 लाख 13 हजार 764 परिवारों का सर्वे किया जा चुका है।

इसी क्रम में आज जिले के ग्राम पंचायत बहतराई मिठ्ठू नवागांव, नवागांव सलका, करगीकला, सोनपुरी, चपौरा, चुरेली. दारसागर, पंडरापथरा पुरूवार घुटकू, निगारबद, रेल्हा, लमेर बेलटुकरी, विशेष सर्वेक्षण पखवाड़ा अन्तर्गत रैली दिवार लेखन, रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से सर्वे के लिये जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा सर्वे में नाम जुड़वाने के लिये आवास प्लस सर्वे 2.0 एप के विषय में आम लोगों को जानकारी दी गयी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा लोगो को प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत आयोजित विशेष सर्वेक्षण पखवाड़ा

के चरणबद्ध कार्यक्रम की जानकारी दी जा रही है एवं सभी पात्र परिवारो को 30 अप्रैल 2025 के पूर्व अपना नाम सर्वे में शामिल कराने के लिये अवगत कराया जा रहा है।

मोर दुआर साय सरकार महाअभियान कार्यक्रम का दूसरा चरण - 20 अप्रैल 2025 से 28 अप्रैल 2025 तक कार्यक्रम का दूसरा चरण जारी है।

जिसमें ग्राम नोडल अधिकारी एवं सर्वेक्षक द्वारा प्रत्येक ग्राम में ग्राम सभा आयोजित कर सर्वेक्षण की प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण करना है। सर्वेक्षक द्वारा अपने प्रभार क्षेत्र में घर-घर जाकर प्रत्येक परिवार का संतृप्ता के आधार पर शत प्रतिशत सर्वेक्षण करना है एवं सर्वेक्षित परिवारों के विवरण का ग्राम सभा में पठन एवं वाचन किया जाना है। जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के समस्त विकासखण्ड के ग्राम पंचायतों में स्वसर्वे एवं सर्वेयर के माध्यम से पात्र परिवारों का सर्वेक्षण कार्य जारी है।

ग्राम चपौरा की सीमा बाई करपे, ग्राम कर्रा की लता, ग्राम सारधा निवासी संतोषी ने पक्के मकान का सपना साकार करने अपना नाम भविष्य में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत आवास लाभ प्राप्त करने के लिये दर्ज कराया। आवास प्लस सर्वेक्षण 2.0 में सर्वेक्षक के द्वारा इनका सर्वे का कार्य किया गया। सर्व में नाम शामिल होने पर इनके द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गयी।

श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित शासन की समस्त योजनाओं का श्रमिकों को मिले लाभ : डॉ. रामप्रताप सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभागार में श्रम विभाग की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जशपुर जिले में संगठित निर्माण श्रमिकों एवं असंगठित श्रमिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की गई एवं समस्त योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।

बैठक में सर्वप्रथम अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह ने श्रम विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया एवं उनके द्वारा किए जा रहे का कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान अध्यक्ष ने कहा की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्रमिकों एवं उनके परिवार के प्रति पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए श्रमिक एवं उनके परिवार का हित सर्वोपरि है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा की श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित शासन की समस्त योजनाओं का लाभ उन्हें मिले। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा मौजूद रहे।

बैठक में अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए, जिनमें जिला जशपुर में निर्माण श्रमिकों के कार्यस्थल में कार्यरत निर्माण श्रमिकों का पंजीयन शिविर आयोजित कर पंजीयन कार्य शत प्रतिशत किया जाए। इसके साथ ही जशपुर जिले में पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिन्हें मंडल गठन से अब तक किसी भी योजना का लाभ नहीं मिला है ऐसे श्रमिकों को चिन्हांकित कर मण्डल में संचालित योजनाओं की जानकारी विकासखंडवार संचालित मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र के माध्यम से योजना आवेदन कराने की कार्यवाही करें। जशपुर जिले में पंजीयन के नवीनीकरण व संशोधन संबंधी लंबित आवेदनों को 07 दिवस के भीतर पंजीयन एवं नवकरण की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

जशपुर जिले में निर्माण श्रमिकों हेतु संचालित 30 योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदनों में से लंबित आवेदन को 07 दिवस के भीतर जांच कर लाभान्वित राशि प्रदाय किये जाने हेतु डी0बी0टी0 में ऑनलाइन इंद्राज करना सुनिश्चित करें।

जिले में शासकीय एवं अशासकीय निर्माण कार्यों पर 01 प्रतिशत उपकर की राशि अनिवार्य रूप से जमा कराने के संबंध में निर्देश प्रसारित कर उपकर संग्रहण संबंधित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें एवं किसी भी निर्माण श्रमिकों के पंजीयन एवं योजनाओं में निशुल्क लाभ प्रदाय करने की कार्यवाही करने एवं किसी भी प्रकार का अनुचित लाभ नहीं लेने के निर्देश दिए। बैठक में श्रम निरीक्षक, श्रम उपनिरीक्षक, कल्याण अधिकारी, कल्याण निरीक्षक एवं श्रम विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950